" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन HARIDARSHAN

हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें

मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 196 वर्ष -11 अषाढ़ शुक्ल नवमी 2082 शुक्रवार (24 जुलाई 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

असम में बाढ़ से हालात गंभीर, ११ जिलों की ६५३१६४ आबादी प्रभावित, मृतकों की संख्या ४४ हुई

गुवाहाटी, २३ जुलाई (हि.स.)। असम में लगातार बरसात की वजह से बाढ़.के हालात बेहद गंभीर हो गये हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के २२ जुलाई के आंकडों के अनुसार, में एक दिन में कुल १० लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस तरह राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या ४४ हो गयी है। असम में खतरे के निशान से ऊपर बहने वाली नदियों में बुढ़ीदिहिंग (चेनिमारी, खोवांग), दिखौ (शिवसागर), धनसिरी (नुमालीगढ़), कुशियारा (श्रीभूमि) शामिल हैं।मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बाढ़.से सर्वाधिक प्रभावित शिवसागर, चराईदेव एवं जोरहाट जिले का दौरा कर लोगों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा, केशव महंत, अजंता नेओग एवं विधायक लगातार प्रभावित इलाकों का दौरा कर लोगों को राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। बाढ़.के उच्चतम स्तर से ऊपर बहने वाली नदियों में दिसांग (नांगलामुराघाट) शामिल है। बाढ़.से वर्तमान समय में कुल ११ जिले प्रभावित हुए हैं। इनमें काबी आंगलोंग, गोलाघाट, चराईदेव, कामरूप, शिवसागर, जोरहाट, डिब्रूगढ़, नगांव, धेमाजी, होजाई, कामरूप (मेट्रो) शामिल हैं। बाढ़.से ११ जिलों के ४० राजस्व मंडलों के कुल ९३९ गांव प्रभावित है। राज्य की कुल ६५३१६४ आबादी एवं २४८९७.२७ हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।राज्य सरकार ने बाढ़.प्रभावित लोगों के लिए कुल १०६ राहत शिविर एवं ३८१ राहत वितरण केंद्र समेत कुल ४८७ शिविर स्थापित किये गए हैं। राहत शिविरों में २४४१८ लोग आश्रय लिए हुए हैं। राहत वितरण केंद्रों पर २९०८२६ गैर-शिविर निवासी सामग्री प्राप्त कर रहे हैं।बाढ़.से २२ जुलाई को

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

अमित शाह ने असम के बाढ़. हालात की समीक्षा की, ८० से अधिक लापता

गुवाहाटी, २३ जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा से बातचीत कर असम की बाढ़. की स्थिति की जानकारी ली। राज्य में बाढ़.से अब तक ४४ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ८० से अधिक लोग अब भी लापता हैं। आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या बढ़. सकती है।बातचीत के दौरान अमित शाह ने राज्य को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। बाढ़. से हुए नुकसान का आकलन करने तथा राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के लिए केंद्र सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल आज या कल असम पहुंचेगा।इस बीच मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा लगातार दूसरे दिन भी बाढ़.प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर रहे। उन्होंने गोलाघाट जिले में बाढ़.की स्थिति का जायजा लिया और नुमलीगढ़.तथा गोलाघाट के कमारबंधा स्थित भास्कर सीनियर बेसिक स्कूल के राहत शिविरों का दौरा कर प्रभावित लोगों से मुलाकात की तथा राहत कार्यों की समीक्षा की।

असम में २६ जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

गुवाहाटी, २३ जुलाई (हि.स.)। असम में एक बार फिर मूसलाधार बारिश का दौर शुरूहोने की संभावना है। बोरझार स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने २६ जुलाई तक राज्य सहित पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान कई स्थानों पर गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ बारिश होने की संभावना है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने तथा आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

मुर्गे की गर्दन नहीं हाथी की सूंड़ है चिकन नेक, बांग्लादेश को दबोचने को तैयार, चीन ने भी मुंह मोड़!

नई दिल्ली(एजें) २३ जुलाई : पूरे देश से पूर्वोत्तर को जोड़ने वाले सिलीगुड़ी कॉरिडोर को आम बोलचाल की भाषा में चिकन नेक कहा जाता है. दरअसल, इस इलाके की भौगोलिक स्थिति बेहद संवेदनशील है. यह करीब २२ किमी चौड़ा और करीब ६० किमी लंबा इलाका है. यहां एक तरफ बांग्लादेश है तो दूसरी तरफ भूटान और करीब १३० किमी की दूरी पर चीन की सैन्य मौजूदगी है. इसी इलाके से भारत के पूर्वोत्तर के आठ राज्य देश के अन्य हिस्सों से भौगोलिक रूप से जुड़े.हैं. इस इलाके की इसी संवेदनशील स्थिति के कारण इसे चिकन नेक कहा जाता है. यानी अगर इस पतले गलियारे पर किसी दुश्मन का कब्जा हो जाए तो पूर्वोत्तर का जमीनी संपर्क बाकी भारत से टूट सकता है. लेकिन सवाल है कि क्या भारत इतने सालों तक इस खतरे को सिर्फ देखता रहा है? जवाब है- बिल्कुल नहीं. पिछले एक दशक में इस पूरे इलाके की तस्वीर बदल चुकी है. अब सेना के बडे.अधिकारी इसे 'चिकन नेक' नहीं बल्कि 'एलीफेंट ट्रंक' यानी हाथी की सूंड.कह रहे हैं.

आखिर क्यों बदल गई चिकन नेक की परिभाषा?

दशकों तक रक्षा विशेषज्ञ सिलीगुड़ी कॉरिडोर को भारत की सबसे बडी रणनीतिक कमजोरी बताते रहे. वजह साफ थी. यह गलियारा बेहद संकरा है. किसी बडे.युद्ध की स्थिति में अगर यहां दुश्मन दबाव बना देता तो पूर्वोत्तर तक सेना, हथियार, ईंधन और जरूरी सामान पहुंचाना मुश्किल हो सकता था. लेकिन अब सेना का आकलन बदल चुका है. पूर्वी कमान के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि आज यह इलाका सिर्फ एक रास्ता नहीं, बल्कि पूरी तरह सैन्य शक्ति से लैस एक रणनीतिक क्षेत्र बन चुका है. अब यहां केवल रक्षा तैयारी नहीं है, बल्कि जरूरत पडने पर जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी मौजूद है. इसलिए सेना इसे 'हाथी की सूंड'. की संज्ञा दे रही है. हाथी की सूंड.मजबूत भी होती है, लचीली भी और जरूरत पडने पर बेहद घातक भी.

२०१४ के बाद क्यों बदली पूरी तस्वीर? असल बदलाव पिछले एक दशक में हुआ. केंद्र सरकार ने पूर्वी सीमा को लेकर अपनी रणनीति पूरी तरह बदल दी. पहले जहां ध्यान केवल सीमा की निगरानी तक सीमित था, वहीं अब पूरे इलाके को सैन्य दृष्टि से मजबूत करने पर फोकस किया गया. नई सडकें बनीं. रेलवे नेटवर्क को मजबूत किया गया. सैन्य लॉजिस्टिक्स बढ़ाए गए. आधुनिक निगरानी प्रणाली लगाई गई. एयरबेस की क्षमता बढ़ाई गई. मिसाइल सिस्टम तैनात किए गए. सेना की स्थायी मौजूदगी बढ़ाई गई. इसका नतीजा यह

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

असम बजट को जनकल्याणकारी, जनोन्मुखी और विकासपरक बताया

रानू दत्त शिलचर, २३ जुलाई। असम के २०२६-२७ वित्तीय वर्ष के बजट को जनकल्याणकारी, जनोन्मुखी और विकासपरक बताते हुए काछाड़. जिला भाजपा अध्यक्ष रूपम साहा ने कहा कि बजट में आम जनता के कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास और राज्य की समग्र प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

गुरुवार को शिलचर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रूपम साहा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा के नेतृत्व में वित्त मंत्री जयंत मल्ल बरुआ ने १० जुलाई को विधानसभा में २०२६-२७ वित्तीय वर्ष के लिए १.५७ लाख करोड़.रुपये का बजट पेश किया। उन्होंने दावा किया कि यह बजट अगले पांच वर्षों के विकास की रूपरेखा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।उन्होंने कहा कि बजट में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और क्षेत्रीय विकास पर विशेष जोर दिया गया है। 'सुरक्षित, समृद्ध

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर नीट पेपर लीक के दोषियों को सजा देंगे; CJP प्रोटेस्ट पर PM मोदी का ऐलान

नई दिल्ली (एजें) २३ जुलाई :नीट पेपर लीक को लेक जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रोटेस्ट जारी है. इस बीच पीएम मोदी ने पेपर लीक को लेकर बडा ऐलान किया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी गुरुवार को कहा कि सरकार के लिए युवाओं का कल्याण और उनका भविष्य सबसे अधिक जरूरी है. उन्होंने आगे कहा कि पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्दी और कडी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे. दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक को लेकर सीजेपी प्रोटेस्ट चल रहा है. सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच विपक्ष भी सरकार को घेरने में लगा है. इस बीच पीएम मोदी ने पेपर लीक को लेकर बडा ऐलान किया है. सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच पीएम मोदी ने ऐलान किया कि सरकार फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर नीट पेपर लीक के दोषियों को सजा देगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सबसे बडी प्राथमिकता है. कॉकरोच जनता पाटी के आंदोलन के बीच पीएम मोदी ने कहा कि अब पेपर लीक के सभी मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि दोषियों को जल्द से जल्द और सख्त सजा मिल सके. उन्होंने बताया कि इस संबंध में संबंधित विभागों और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार लगातार फैसले ले रही है और यह उसी दिशा में एक अहम कदम है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड. करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. गौरतलब है कि पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जब सरकार पर सीजेपी आंदोलन का प्रेशर बनता जा रहा है. सोनम वांगचुक अब भी अनशन पर हैं. वह मेदांता अस्पताल से ही अनशन कर रहे हैं. वहीं, जंतर-मंतर पर देशभर के छात्रों का जमावडा लगा हुआ है. सीजेपी यानी कॉकरोच जनता पाटी लगातार

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

नगालैंड में बादल फटने की घटना का वैज्ञानिक अध्ययन होगा: मुख्यमंत्री

गुवाहाटी, २३ जुलाई (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि नगालैंड में हुई बादल फटने की घटना के प्रभाव तथा उससे उत्पन्न समग्र स्थिति का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। मुख्यमंत्री बीती रात जोरहाट में टूटे हुए तटबंध का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।उन्होंने बताया कि बाढ़.की स्थिति सामान्य होने के बाद उपग्रह चित्रों के माध्यम से पूरे प्रभावित क्षेत्र का अध्ययन किया जाएगा, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वैज्ञानिक अध्ययन से आपदा के कारणों और उसके प्रभाव का सटीक आकलन करने में मदद मिलेगी।

पवन खेडा क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश, मुख्यमंत्री की पत्नी के मामले में होगी पूछताछ

गुवाहाटी, २३ जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेडा गुरुवार को असम पुलिस की क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश हुए। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराए गए मानहानि एवं कथित फर्जी पासपोर्ट मामले में जारी समन के आधार पर वह पूछताछ के लिए गुवाहाटी पहुंचे।यह मामला चुनाव से पहले पवन खेडा द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिनिकी भुइयां शर्मा पर कई पासपोर्ट रखने और विदेश में संपत्ति होने का आरोप लगाने से जुड़ा है। आरोपों को खारिज करते हुए रिनिकी भुइयां शर्मा ने उनके खिलाफ जालसाजी, मानहानि और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज कराया था।इस मामले में पवन खेडा को पहले ही सर्वोच्च न्यायालय से अंतरिम जमानत मिल चुकी है। इससे पहले वह स्वास्थ्य कारणों और बेंगलुरु में पार्टी कार्यक्रम का हवाला देकर कई बार जारी समन पर उपस्थित नहीं हुए थे तथा इसकी जानकारी उन्होंने लिखित रूप से क्राइम ब्रांच को दी थी।

दो महीने पहले गूंजी थीं शहनाइयाँ, आज उसी घर में पसरा मातम

बिजली के तार पर काम करने के दौरान करंट लगने से मंजू गोपाल कुमी की दर्दनाक मौत, नई-नवेली दुल्हन की आंखों से नहीं थम रहे आंसू, परिजनों ने मुआवजे और नौकरी की उठाई मांग

शिव कुमार शिलचर, २३ जुलाई।शिलचर स्थित असम विश्वविद्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर डाक बंगला क्षेत्र में मंगलवार शाम करीब चार बजे हुई एक दर्दनाक दुर्घटना ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। बिजली के तार पर काम करने के दौरान करंट लगने से मंजू गोपाल कुमी की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़.टूट पडा है और इलाके में मातम का माहौल है।इस घटना की सबसे मार्मिक बात यह है कि मंजू गोपाल कुमी का विवाह लगभग दो महीने पहले ही हुआ था। कुछ ही समय पहले उनके घर में शहनाइयां गूंजी थीं। परिवार नई जिंदगी के सपने संजो रहा था और खुशियों से भरे

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

बाढ़.प्रभावित जिलों में राहत सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की समीक्षा, मंत्री कौशिक राय ने दिए निर्देश

गुवाहाटी, २३ जुलाई (हि.स.)। असम के खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री कौशिक राय ने गुरुवार को ऊपरी असम और उत्तर असम के प्रमुख बाढ़.प्रभावित जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राहत सामग्री के उठाव एवं वितरण, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, भंडारण तथा बाजार मूल्य की समीक्षा की।बैठक में बाढ़.प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने सभी जिला प्रशासन को राहत सामग्री समय पर प्रभावित लोगों तक पहुंचाने और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तरीय टास्क फोर्स को २४ घंटे सक्रिय रहकर आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर कड़ी निगरानी रखने तथा कहीं भी अनुचित मूल्य वृद्धि होने पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।कौशिक राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है कि राहत सामग्री और आवश्यक सेवाएं बिना किसी विलंब के प्रत्येक प्रभावित परिवार तक पहुंचें।बैठक में खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बिस्वरंजन समल ने शेष खरीदे गए धान की शीघ्र मिलिंग कर चावल को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को सौंपने के निर्देश दिए, ताकि भंडारित अनाज को नुकसान से बचाया जा सके। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, एफसीआई, एएफडीयूसीएल तथा संबंधित जिलों के उपायुक्त भी उपस्थित रहे।

बराक नदी का जलस्तर बढ़ा, लेकिन स्थिति नियंत्रण में; बाढ़.की आशंका नहीं

प्रे.सं.शिलचर, २३ जुलाई। बराक नदी का जलस्तर बढ़ने के बावजूद वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में बाढ़. की आशंका लगभग नहीं के बराबर है। नदी का जलस्तर सामान्य मानसूनी प्रवृत्ति के अनुरूप ही बढ़.रहा है और प्रशासन की ओर से इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।हालांकि, विभिन्न माध्यमों से बाढ़.को लेकर फैल रही अफवाहों और अनावश्यक भय के कारण आम लोगों में चिंता देखी जा रही है। इस संबंध में शिलचर के अन्नपूर्णाघाट स्थित जल संसाधन विभाग के सरकारी कर्मचारी देवव्रत राय ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि अन्य वर्षों की तुलना में इस वर्ष मई, जून और जुलाई महीनों में अपेक्षाकृत कम बारिश हुई है। इसलिए बराक नदी का जलस्तर भी असामान्य रूप से नहीं बढ़ा है।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं एवं निर्देशों पर भरोसा करें।प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऐसे में आम लोगों से अनावश्यक रूप से भयभीत न होकर सतर्क रहने तथा सही और आधिकारिक जानकारी के आधार पर ही निर्णय लेने की अपील की गई है।

क्लाइमेट चेंज, ब्रह्मपुत्र या चीन...हर साल क्यों डूबता है असम; बाढ़ की सबसे बड़ी वजह क्या?

• संतोष कुमार

असम एक बार फिर भीषण बाढ़.की चपेट में है. मूसलाधार बारिश के बाद राज्य के १६ जिलों में करीब आठ लाख लोग प्रभावित हुए हैं और ५० लोगों की मौत हो चुकी है. एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और वायुसेना राहत और बचाव अभियान में जुटे हैं. लेकिन सवाल वही है, जो हर साल मानसून के साथ उठता है- आखिर असम में बाढ़. इतनी विनाशकारी क्यों होती है? क्या इसकी वजह सिर्फ बारिश है या इसके पीछे ब्रह्मपुत्र नदी की बनावट, जलवायु परिवर्तन और चीन की गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं?

ब्रह्मपुत्र ही असम की सबसे बडी ताकत असम की बाढ़.की कहानी ब्रह्मपुत्र नदी से शुरू होती है. तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के नाम से निकलने वाली यह नदी अरुणाचल प्रदेश में सियांग बन जाती है और फिर असम से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है. रास्ते में इसमें सुबनसिरी, मानस, जिया भराली, धानसिरी और कोपिली समेत ५० से ज्यादा बडी सहायक नदियां मिलती हैं. यही वजह है कि मानसून के दौरान इसमें अचानक बडी मात्रा में पानी आ जाता है.

दुनिया की दूसरी नदियों के मुकाबले ब्रह्मपुत्र की एक और खासियत है. यह अपने साथ भारी मात्रा में रेत,

मिट्टी और चट्टानों का मलबा लेकर चलती है. हिमालय अपेक्षाकृत युवा पर्वत श्रृंखला है, इसलिए वहां लगातार कटाव होता है और उसका मलबा नदी में आते रहता है. यह मलबा नदी के तल में जमा होता रहता है. इससे कई हिस्सों में नदी उथली हो जाती है और उसकी जलधारण क्षमता कम हो जाती है. नतीजा यह होता है कि बारिश बढ़ते ही नदी अपने किनारे तोड़कर आसपास के इलाकों में फैल जाती है.

विशेषज्ञों का मानना है कि पहले भी असम में बाढ़.आती थी, लेकिन अब उसकी तीव्रता और आवृत्ति दोनों बढ़. गई हैं. इसकी बडी वजह जलवायु परिवर्तन है. पूर्वी हिमालय और पूर्वोत्तर भारत में अब कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हो रही है. इसे एक्सट्रीम रेनफॉल इवेंट कहा जाता है. जब कुछ घंटों या एक-दो दिन में सामान्य से कई गुना ज्यादा बारिश होती है तो नदियां और ड्रेनेज सिस्टम उसे संभाल नहीं पाते.इसके अलावा हिमालयी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे कटाव के कारण ब्रह्मपुत्र में पहले से ज्यादा गाद जमा हो रही है. इससे हर साल नदी का रास्ता बदलता है और कटाव बढ़ता जाता है. असम में हजारों परिवार हर साल अपनी जमीन और घर खो देते हैं. मजबूरी में वे नदी के बीच बनने वाले छोटे-छोटे द्वीपों यानी 'चार' पर बस जाते हैं. लेकिन अगली बाढ़.में यही इलाके सबसे पहले डूब जाते हैं.विशेषज्ञ इसके लिए सिर्फ प्रकृति को जिम्मेदार नहीं मानते. उनका कहना है कि इंसानी गतिविधियों ने भी बाढ़.की समस्या को और गंभीर बना दिया है. राज्य में बडी संख्या में वेटलैंड्स पर कब्जा हुआ है. जंगलों की कटाई से बारिश का पानी तेजी से

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

सिक्किम सुरंग हादसा

पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में परियोजनाओं की लागत काफी ज्यादा होती है भारत एक और हिमालयी त्रासदी से जूझ रहा है। सिक्किम के नामची जिले में एनएचपीसी लिमिटेड (जो पहले नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के तीस्ता चरण-तख पनबिजली परियोजना में बन रही एक सुरंग में काम कर रहे मजदूरों के मीथेन गैस के जमाव में फंसे होने की आशंका है। गैस के जमाव के कारण हुए धमाके से सुरंग को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा और अनुमानित २५ में से कम से कम १५ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि बचाव कार्य अभी भी जारी है। एनएचपीसी ने एक विस्तृत जांच का एलान किया है। जमीन के नीचे खुदाई के काम में मीथेन एक जाना-माना खतरा है और तीस्ता घाटी की भू-संरचना के कारण यहां इस गैस के होने की संभावना बनी रहती है। यह घाटी भूकंप के लिहाज से ऐसे सक्रिय इलाके में स्थित है, जहां नई और बुरी तरह टूटी-फूटी चट्टानें मौजूद हैं। यहां कई हिस्सों में बहुत पहले बनी गैस की दबी हुई परतें छिपी हो सकती हैं, जो खुदाई के दौरान उनके फूटने या खुलने पर ही सामने आती हैं। उस लिहाज से, गैस की मौजूदगी अपने आप में कोई हैरानी की बात नहीं है। जो बात साफ नहीं है, वह कहीं ज्यादा अहम है: वे सटीक हालात जिनमें इन हिस्सों में सेंध लगी। इस परियोजना का खाका बनाते वक्त इसके जोखिम का आकलन और मॉडलिंग की गई थी या नहीं, और गैस का पता लगाने वाले और हवा की आवाजाही (वेंटिलेशन) से जुड़े सुरक्षा उपाय - जिनकी ऐसी स्थितियों में बेहद जरूरत होती है - मौजूद और काम कर रहे थे या नहीं।

भारत के मुश्किल इलाकों में जमीन के नीचे काम करना हमेशा से ही जोखिम भरा रहा है। इस साल फरवरी में, मेघालय में कोयले की एक अवैध खदान में हुए धमाके में लगभग ३० मजदूरों की मौत हो गई थी और २०२३ में उत्तराखंड में बन रही एक सडक़ सुरंग के कुछ हिस्से के ढह जाने से ४१ मजदूर १७ दिनों तक उसमें फंसे रहे और बाद में उन्हें बाहर निकाला गया। हालात अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन ये सभी मिलकर इसी तथ्य को रेखांकित करते हैं कि देश भर में जमीन के नीचे और सुरंग बनाने का काम बेहद जानलेवा बना हुआ है। सिक्किम, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश को जोडऩे वाली तीस्ता नदी के ४०० किलोमीटर के हिस्से पर बनी विभिन्न पनबिजली परियोजनाओं को पर्यावरण मंजूरी मिलने का इतिहास अलग-अलग रहा है, लेकिन उनमें एक बात समान है - वे सभी हिमालय के नाजुक इलाके में स्थित हैं। इस कमजोरी का अफसोसनाक मुजाहिरा अक्टूबर २०२३ में हुआ, जब दक्षिण ल्होनक झील से ग्लेशियल झील के फटने से आई बाढ़ ने तीस्ता-खखख बांध को तबाह कर दिया और नदी के निचले इलाके में बसे १०० से ज्यादा लोगों की जान ले ली।

बंगाईगांव में फजी सरकारी अधिकारी बनकर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

बंगाईगांव (असम), २३ जुलाई (हि.स.)। असम के बंगाईगांव जिले में पुलिस ने स्वयं को सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

बंगाईगांव पुलिस ने आज बताया है कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बलराम चौधरी और बलदेव सिंह के रूप में हुई है। दोनों स्वयं को भारत सरकार के अधीन कथित अपराध अनुसंधान विभाग (क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट) का सहायक प्रबंधक और राज्य निदेशक बताकर फजी पहचान के जरिए लोगों को झांसे में लेते थे। आरोप है कि उन्होंने कोकिला क्षेत्र के कुछ दूध वितरकों को कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर धन उगाही का प्रयास किया।पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर दोनों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से फजी पहचान पत्र, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड तथा दो लग्जरी वाहन बरामद किए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आरोपितों का नेटवर्क अन्य राज्यों या क्षेत्रों तक फैला हुआ है या नहीं।

राष्ट्र चिंतन

=======

(आचार्य श्रीहरि)

==========

एंडी बनर्हिम ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री चुने गये हैं,लेबर पाटी के नेतृत्व चुनाव में उनका निर्वाचन निर्विरोध हुआ है। ब्रिटेन के लोकतात्रिक इतिहास में वें ५९ प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से उन्होंने मुलाकात की और प्रधानमंत्री बनने का निमंत्रण स्वीकार किया। ब्रिटेन की परमपरा में प्रधानमंत्री पद का निमंत्रण स्वीकार करने को किसिंग हैंडस कहा जाता है। उल्लेखनीय यह है कि दस सालों में एंडी बनर्हिम सातवे प्रधानमंत्री हैं। कहने का अर्थ यह है कि पिछले दस साल में ब्रिटेन के अंदर सात प्रधानमंत्री बने हैं और बदल गये। इसके पहले कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कीर स्टार्मर के इस्तीफे के पीछे अलोकप्रियता थी और उनकी खराब प्रशासनिक,कूटनीतिक और आंतरिक नीतियां थी। ब्रिटेन के स्थानीय चुनावो में लेबर पाटी के कमजोर प्रदर्शन ने कीर स्टार्मर की लुटिया डूबोयी थी। कीर स्टार्मर लेबर पाटी के कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढाने में असफल साबित हुए थे। कीर स्टार्मर ने पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत नियुक्त कर दिया था। पीटर मैंडेलसन पर जेफरी एपस्टीन से संबंध रखने का आरोप था। जेफरी एपस्टीन पर बाल तस्करी और बाल यौन शोषण की तस्करी के आरोप हैं। इस कारण ब्रिटेन में कीर स्टार्मर के पीटर मैंडलसन प्रेम पर तहलका मच गया था। लेबर पाटी में विरोध ही नहीं बल्कि बगावत भी हुई थी, लेबर पाटी के कार्यकर्ता ही नही बल्कि लेबर पाटी के सांसदों ने भी विद्रोह कर दिया था। इसके कारण कीर स्टार्मर को इस्तीफा देना पडा था। अब ब्रिटेन में कीर स्टार्मर युग समाप्त हो चुका है और एंडी बनर्हिम युग की शुरूआत हुई है। अगले छह महीने तक एंडी बनर्हिम को बहुमत साबित करने की अनिवार्यता नहीं होगी क्योंकि संसद का ग्रीस्मकालीन अवकाश शुरू हो चुका है। इस दौरान एंडी बनर्हिम अपने सचिवों-मंत्रियों का चयन आसानी से कर सकते हैं।

ग्रेट ब्रिटेन के लिए राजनीतिक अस्थिरता अभिशाप बन गयी

राजनीतिक अस्थिरता की बहुत बडी कीमत ब्रिटेन ने चुकायी है, अपनी हैसियत गंवायी है, अपनी धाक मिटायी है, विश्व व्यवस्था में उसकी पहचान गायब हुई है, विश्व शक्तिशाली देशों में उसकी गिनती निम्न स्तरों पर पहुंच गयी है, उसका वीटो का अधिकार भी बेअर्थ साबित हो गया है। राजनीतिक स्थिरता ही किसी देश की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखती है और शक्तिशाली अर्थव्यवस्था-सामरिक ताकत को स्थिर रखती है। दुनिया में बिटेन की पहचान और स्थिति क्या थी? यह भी जगजाहिर है। ब्रिटेन के बारे में कहा जाता था कि उसके साम्राज्य में सूर्य अस्त नहीं होता है। पूरी दुनिया में उनकी कालोनियां थी। भारत और अमेरिका भी ब्रिटेन का कभी गुलाम था। ब्रिटेन के साम्राज्यवाद के सामने दुनिया में कोई चुनौती देने वाला नहीं था। लेकिन हिटलर ने बिटेन के साम्रज्यावाद के गरूर को चुनौती दी थी और तोडा था। हिटरल ने ब्रिटेन पर हमला कर उसकी शक्ति को मरोड कर रख दिया था। अमेरिका ने दूसरे विश्व युद्ध में हस्तक्षेप कर सोवियत संघ और ब्रिटेन की मदद दी थी और संरक्षण दिया था। इसके फलस्वरूप हिटलर की मौत हुई, हिटलर की पराजय हुई। इस प्रकार हिटलर, जर्मनी और जापान का गुलाम बनने से ब्रिटेन बच गया। संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना के साथ ही ब्रिटेन को नया जीवन मिला था और अमेरिका की कृपा से ब्रिटेन को वीटोधारी देश होने का गौरव प्राप्त हुआ था। ब्रिटेन अमेरिका का सहयोगी और नाटो के प्रमुख देश होने के कारण विश्व व्यवस्था में प्रमुख स्थान के रूप में स्थापित रहा। राष्ट्रमंडल देशों का नेतृत्व कर ब्रिटेन अपने कालोनी राज के अंहकार को भी जिंदा रखा।

राजनीतिक अस्थिरता ने ब्रिटेन को न केवल कमजोर किया है बल्कि विश्व व्यवस्था में शक्तिशाली हस्तक्षेप से भी अलग कर दिया है। यूरोपीय यूनियन से ब्रिटेन काफी पहले अलग हो चुका है। यूरोपीय यूनियन में जब ब्रिटेन शामिल था तब उसकी स्थिति यूरोपीय यूनियन के प्रमुख देश और यूरोप के शक्ति केन्द्र होने की उम्मीद थी। लेकिन यूरोपीय यूनियन को ब्रिटेन अपने अनुसार हाक नहीं सका और अपने पक्ष में यूरोपीय यूनियन को खडा नहीं कर सका। यूरोपीय यूनियन की मुद्रा यूरो ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को चैपट कर रहा था और ब्रिटेन की मुद्रा के लिए चुनौती खडी कर रहा था। दुष्प्ररिणाम यह निकला कि यूरोपीय यूनियन से ब्रिटेन बाहर हो गया। इस कारण अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए यूरोपीय यूनियन के बाजार से ब्रिटेन दूर हो गया। सबसे बडी बात यह है कि यूरोपीय यूनियन से सौहार्द भी स्थापित रखने की अनिवार्य कूटनीति और सवांद को जारी नहीं रख सका। इधर अमेरिका और नाटो से भी ब्रिटेन ने तालमेल बैठा कर रखने की अनिवार्य कूटनीति नहीं दिखा सका। कहने का अर्थ था कि बिटेन ने नाटो में अपनी भूमिका सीमित कर दी, जबकि नाटो का गठन का मुख्य उद्देश्य यूरोपीय देशों की सुरक्षा था। यह सही है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद यूरोप की वैसी चुनातियां और खतरा नहीं रहा जैसी चुनौतियां और खतरे सोवियत संघ के राज के समय में होती थी, फिर भी दुनिया मे हनक के लिए नाटो की भूमिका को कोई अस्वीकार भी नहीं कर सकता है। अमेरिका का ब्रिटेन सहयोगी रहा था। अमेरिका के हर अभियान और युद्ध में ब्रिटेन साथ रहा है। ब्रिटेन की समझ थी कि अमेरिका के साथ रहने से ही उसकी भलाई है और विश्व व्यवस्था उसकी धाक बनी रहेगी। इसी दृष्टिकोण से ब्रिटेन ने अमेरिका के मुस्लिम आतंक के खिलाफ वैश्विक अभियान का सहयोगी बना था और तालिबान-अलकायदा के खिलाफ अमेरिकी अभियान में ब्रिटेन की उपस्थिति प्रमुख रही थी। अलकायदा और तालिबान के खिलाफ वैश्विक युद्ध और अभियान में ब्रिटेन ने करोडों डालर खर्च भी किये थे। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्रसंघ में ब्रिटेन हमेशा से अमेरिकी हितों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रहता था।

पिछले दस सालों में सात प्रधानमंत्री देखने वाला ब्रिटेन अपने प्रमुख सहयोगी अमेरिका के साथ मजबूती के साथ खडा नहीं हो सका। कई अभियानों और ज्वलंत विषयों पर ब्रिटेन और अमेरिका के बीच मतभेद ही नहीं रहे हैं बल्कि दोनों के राह भी जुदा-जुदा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ में बिटेन ने अमेरिकी हितों के साथ सक्रिय रहना छोड दिया। इस्त्राइल के प्रश्न पर ब्रिटेन अधिक मानवाधिकारी बन गया, उसने हमास और हिज्जबुल्लाह की आतंकी नीति से अपने आप को जोड लिया। इस्त्राइल की सुरक्षा अनिवार्यता को उसने अस्वीकार कर दिया। इस्त्राइल को खलनायक और हिंसक घोषित कर दिया। जबकि अमेरिका इस्त्राइल के साथ खडा रहा। ईरान युद्ध को लेकर भी ब्रिटेन ने अमेरिका का साथ छोड दिया। ब्रिटेन ने अमेरिका को अपना सैनिक वैस देने से भी इनकार कर दिया, ब्रिटेन ने अमेरिका का संयम रखने का भी पाठ पढा दिया। खासकर कीया स्टार्मर ने अमेरिका विरोध की नीति पर काफी आगे निकल गये। जबकि ब्रिटेन की राष्ट्रवादी जनता को अमेरिका का साथ-साथ चलना स्वीकार था, इस्त्राइल के रूख का समर्थक है। नाटो के निष्पक्ष रहने और असहयोग के कारण भी अमेरिका अपने लक्ष्य पर गतिमान है और अमेरिका अपने शक्तिशाली हमलों से ईरान का संहार करने की नीति पर अभियानरत है। सउदी अरब, कतर जैसे अनेक मुस्लिम देश अमेरिका के सहयागी हैं। अगर ईरान में अमेरिका सफल रहा और ईरान की गर्दन मरोड दी तो फिर तेल की दुनिया मे ब्रिटेन लाभ की स्थिति में रहने से पीछे हो जायेगा और अमेरिका स्वयं तेल दोहन कर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर देगा।

ब्रिटेन की बहुलतावादी संस्कृति खतरे में है। ब्रिटेन का बहुलतावाद अब भस्मासुर बन गया है, अमेरिका की सुप्रभुत्ता के लिए खतरे की घंटी बन गया है। मुस्लिमवाद अब हिंसक चुनौती बन गया है। इस्लाम और मुस्लिम हिंसा व मानसिकता ईसाई संप्रभुत्ता का संहार करने की स्थिति में पहुंच गयी है। ब्रिटेन में मुस्लिम आबादी २५ प्रतिशत के पार पहुंच गयी है। मुस्लिम आबादी अब ब्रिटेन की राजनीति को प्रभावित करने की शक्ति रखती है। इसके अलावा शरणार्थियों का बोझ भी ब्रिटेन के अस्तित्व के लिए खतरे की घंटी है। यही कारण है कि ब्रिटेन में भी राष्ट्रवादी आक्रोशित है और ब्रिटेन में ईसाई संप्रभुत्ता संपन्न सरकार बनाने के लिए हिंसक है, बहुलतावाद अब उनके लिए अस्तित्व भंजक बन चुका है। एंडी बनर्हिम कैसे अमेरिका-यूरोपीय यूनियन के साथ बेहतर संबंध विकसित करेंगे, भारत के साथ उनकी भूमिका कैसी होगी, बहुलतावाद को दफन करने पर तुली मुस्लिम आबादी को कैसे नियंत्रित करेंगे, शरणार्थियों के बोझ से कैसे निपटेंगे? यह सब देखना शेष है।

==========

प्रेषकः
आचार्य श्रीहरि
नई दिल्ली
मोबाइल ९३१५२०६१२३

पूर्वोत्तर भारत से संवैधानिक गलियारों तक: एक युवा लेखक की साहित्यिक यात्रा

● **हिमांशु बोराः**

पूर्वोत्तर भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, भाषाई और साहित्यिक विरासत के लिए देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। आठ राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा से मिलकर बने इस क्षेत्र में २२० से अधिक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। यही भूमि भारतीय साहित्य को बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, ममांग दाई, टेमसुला आओ, ईस्टरीन किरे और रॉबिन एस. नंगोम जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकार दे चुकी है। इसके बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर पूर्वोत्तर भारत के युवा लेखकों की उपस्थिति अपेक्षाकृत सीमित रही है।

इसी पृष्ठभूमि में असम के सिलचर निवासी बिनीत कुमार सिंह की साहित्यिक यात्रा उल्लेखनीय बनकर उभरी है। सिलचर निवासी बिनीत कुमार सिंह, श्री बिनय कुमार सिंह एवं श्रीमती पिंकी सिंह के सुपुत्र हैं। वे समाजसेवी एवं राजनीतिक व्यक्तित्व श्री अवधेश कुमार सिंह तथा श्रीमती पुष्पा सिंह के पौत्र हैं। पारिवारिक पृष्ठभूमि और साहित्य के प्रति प्रारंभिक रुचि ने उनकी लेखकीय यात्रा को आकार दिया, जो आज उन्हें पूर्वोत्तर भारत के उभरते युवा लेखकों में स्थान दिला रही है।

वर्तमान में नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग के इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (बी.ए.-बी.एड.) के छात्र बिनीत कुमार सिंह ने कम आयु में ही पौराणिक, ऐतिहासिक, हॉरर और समकालीन कथा साहित्य की कई पुस्तकें लिखी हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में Ravana: The Trilok Vijayta, The Adventures of Rudra Roy, Princess Atheana, Pale Shadows, With You, Always तथा Kakbhushundi: Chronicles of Two Epics शामिल हैं।

हाल के महीनों में उनकी साहित्यिक यात्रा ने तब विशेष पहचान प्राप्त की, जब उन्हें पूर्वोत्तर भारत के तीन राजभवनों में अपनी पुस्तकें भेंट करने और साहित्यिक संवाद के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया गया।

उनका पहला औपचारिक साहित्यिक कार्यक्रम अरुणाचल प्रदेश राजभवन में आयोजित हुआ, जहाँ उन्होंने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के. टी. परनाइक (सेवानिवृत्त) को अपनी पुस्तकें भेंट कीं। इस अवसर के बाद राज्यपाल ने उन्हें आधिकारिक 'लेटर ऑफ एप्रिसिएशन' प्रदान करते हुए उन्हें 'उभरते हुए लेखक, साहित्यिक योगदानकर्ता एवं छात्र' बताया। अपने पत्र में राज्यपाल ने उनकी समकालीन भारतीय साहित्य में उल्लेखनीय भूमिका, शैक्षणिक उत्कृष्टता और रचनात्मक प्रतिभा के संतुलन, तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढी तक पहुँचाने के उनके प्रयासों की सराहना की।

इसके बाद बिनीत कुमार सिंह ने सिक्किम राजभवन में राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से शिष्टाचार भेंट कर अपनी पुस्तकें भेंट कीं। साहित्य, युवाओं और पठन संस्कृति पर हुई चर्चा ने उनकी साहित्यिक यात्रा को एक नया आयाम दिया।

उनकी तीसरी आधिकारिक साहित्यिक प्रस्तुति त्रिपुरा राजभवन में हुई, जहाँ उन्होंने आधिकारिक आमंत्रण पर राज्यपाल को अपनी पुस्तकें भेंट कीं। इस प्रकार वे पूर्वोत्तर भारत के तीन राजभवनों में अपनी साहित्यिक कृतियाँ प्रस्तुत करने वाले चुनिंदा युवा लेखकों में शामिल हुए। बिनीत कुमार सिंह की साहित्यिक यात्रा को एक और महत्वपूर्ण पहचान तब मिली, जब प्रख्यात लेखक, पूर्व संयुक्त राष्ट्र अवर महासचिव एवं तिरुवनंतपुरम से सांसद डॉ. शशि थरूर ने उनकी पुस्तक थळींह धीं, अश्रुरी पर उन्हें आधिकारिक प्रशंसा-पत्र भेजा। १३ मार्च २०२६ को लिखे अपने पत्र में डॉ. थरूर ने कहा, 'मैं आपके लेखन के प्रति जुनून की सराहना करता हूँ और आपकी पुस्तक 'With You, Always' की सफलता के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में भी लेखन मानवीय पहचान की एक सशक्त अभिव्यक्ति बना हुआ है।' देश के प्रतिष्ठित साहित्यकार और सांसद से प्राप्त यह प्रशंसा-पत्र उनकी साहित्यिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पडाव माना जा रहा है।

इन उपलब्धियों के समानांतर बिनीत अपनी उच्च शिक्षा भी जारी रखे हुए हैं। उनकी रचनाओं में भारतीय दर्शन, पौराणिक परंपराएँ, लोककथाएँ तथा पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत की स्पष्ट झलक देखने को मिलती है।

ऐसे समय में जब साहित्यिक सफलता का आकलन अक्सर केवल पुरस्कारों या बिक्री के आँकडों से किया जाता है, बिनीत कुमार सिंह की यात्रा यह दर्शाती है कि साहित्य संवैधानिक संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और समाज के बीच सार्थक संवाद का माध्यम भी बन सकता है।

पूर्वोत्तर भारत की साहित्यिक परंपरा सदियों पुरानी है। आज उसी परंपरा को नई पीढी तक पहुँचाने वाले युवा रचनाकारों में बिनीत कुमार सिंह का नाम भी जुडता दिखाई दे रहा है। उनकी यात्रा केवल एक लेखक की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर भारत की उभरती साहित्यिक पहचान और उसके राष्ट्रीय विस्तार की कहानी भी है।

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा : राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस का संदेश।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारे राष्ट्र की पहचान, गौरव, एकता और संप्रभुता का प्रतीक है। प्रत्येक भारतीय के लिए यह केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, लोकतंत्र, राष्ट्रीय अस्मिता और देशभक्ति का प्रतीक है। भारत के इतिहास में २२ जुलाई १९४७ का विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दिन संविधान सभा ने वर्तमान तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकृत किया था। पाठकों को बताता चलूं कि संविधान सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरूने राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति से कुछ सप्ताह पूर्व लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद तिरंगा स्वतंत्र भारत की पहचान बन गया। इसी कारण प्रतिवर्ष २२ जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस के रूप में मनाया जाता है।भारत का राष्ट्रीय ध्वज देश की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का प्रतिनिधित्व करता है। तिरंगे में तीन समान क्षैतिज पट्टियां हैं। सबसे ऊपर स्थित केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। बीच का सफेद रंग सत्य, शांति और पवित्रता का संदेश देता है, जबकि नीचे का हरा रंग समृद्धि, विकास और प्रकृति का प्रतीक माना जाता है। ध्वज के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र अंकित है, जो धर्म, न्याय, प्रगति और निरंतर गतिशीलता का प्रतीक है।अशोक चक्र में २४ तीलियां हैं, जिन्हें जीवन के २४ गुणों, सिद्धांतों और सतत प्रगति का प्रतीक माना जाता है। ये गुण हैं- प्रेम, साहस, धैर्य, शांति, दया, सद्भावना, सत्य, आत्मसंयम, निष्ठा, न्याय, करुणा, त्याग, विनम्रता, विवेक, नैतिकता, सेवा, कर्तव्यपरायणता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास, परिश्रम, समर्पण, आशा, विश्वास तथा सतत प्रगति। अशोक चक्र हमें यह संदेश देता है कि जीवन और राष्ट्र दोनों को निरंतर आगे बढते रहना चाहिए। चक्र का ठहर जाना जडता और

पतन का संकेत है, जबकि उसकी गति विकास और उन्नति का प्रतीक है। यह हमें धर्म, न्याय और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अशोक चक्र की चौबीस तीलियां भारत की नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का भी प्रतीक मानी जाती हैं। उल्लेखनीय है कि अशोक चक्र को सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से लिया गया है।राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौडाई का अनुपात ३:२ निर्धारित किया गया है, जिसमें कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता। लंबे समय तक राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण के लिए केवल खादी कपडा अनिवार्य था, हालांकि बाद में नियमों में कुछ परिवर्तन किए गए। वर्ष २००२ में ध्वज संहिता में संशोधन के बाद भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखते हुए वर्ष के किसी भी दिन तिरंगा फहराने का अधिकार प्राप्त हुआ। यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज का स्वरूप पिंगली वेंकैया द्वारा प्रस्तावित ध्वज के आधार पर विकसित किया गया था। प्रारंभिक ध्वज में चरखा अंकित था, जिसे बाद में अशोक चक्र से प्रतिस्थापित किया गया। संविधान सभा द्वारा २२ जुलाई १९४७ को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकृत किए जाने के बाद १५ अगस्त १९४७ को स्वतंत्र भारत में पहली बार इसी तिरंगे को आधिकारिक रूप से फहराया गया।

राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में तिरंगे के प्रति सम्मान और गौरव की भावना विकसित करना है। यह दिवस हमें स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों और बलिदानों का स्मरण कराता है, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को मजबूत बनाता है तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। साथ ही यह राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीकों और ध्वज संहिता के प्रति जागरूकता बढाने का भी अवसर है।

वास्तव में तिरंगा केवल कपडे का एक टुकडा नहीं है, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, एकता, लोकतंत्र और करोडों देशवासियों की आकांक्षाओं का जीवंत प्रतीक है। यह हमें विविधता में एकता, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा देश की प्रगति और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव, एकता, कर्तव्यबोध और देशभक्ति के मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है।अंत में, राष्ट्रभक्त कवि श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' की अमर पंक्तियां तिरंगे के प्रति हमारी भावनाओं को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करती हैं-'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊँचा रहे हमारा।'

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

मुर्गे की गर्दन नहीं हाथी की सूंड़ है चिकन नेक,.....

हुआ कि जिस इलाके को कभी भारत की कमजोरी माना जाता था, वही अब उसकी सबसे मजबूत रक्षा ढाल बनता जा रहा है। भारत ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर के आसपास तीन बड़े सैन्य ठिकानों का ऐसा सुरक्षा घेरा बनाया है, जिससे किसी भी दिशा से आने वाले खतरे का तुरंत जवाब दिया जा सके। पहला, ठिकाना असम के धुबरी के पास बामुनी में स्थित लाचित बरफुकन मिलिट्री स्टेशन है। यह पूर्वी क्षेत्र के लिए बड़ा लॉजिस्टिक हब बन चुका है। यहां से सैनिकों की आवाजाही, हथियारों की आपूर्ति, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों का संचालन किया जाता है।
दूसरा, अहम ठिकाना बिहार के किशनगंज फॉरवर्ड बेस में बनाया गया है। यह कॉरिडोर के पश्चिमी हिस्से की सुरक्षा करता है और जरूरत पड़ने पर सेना को बेहद कम समय में पूर्वोत्तर की ओर भेजने की क्षमता देता है।
तीसरा, और सबसे संवेदनशील ठिकाना पश्चिम बंगाल के चोपड़ा फॉरवर्ड बेस में तैयार किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय सीमा के बेहद करीब है। यहां से बांग्लादेश सीमा और कॉरिडोर के सबसे संकरे हिस्से पर लगातार नजर रखी जाती है। सीमा सुरक्षा बल (इइइ) और सेना मिलकर यहां चौबीसों घंटे निगरानी करते हैं। बीते कुछ समय में बांग्लादेश की राजनीति में आए बदलाव के बाद भारत ने अपनी पूर्वी सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। सीमा पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी बढ़ाई गई है। सैनिकों की तैनाती मजबूत हुई है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के लिए क्विक रिस्पॉन्स सिस्टम विकसित किया गया है। चोपड़ा फॉरवर्ड बेस इसी रणनीति का सबसे अहम हिस्सा है। यहां से किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सकता है। सेना का दावा है कि अब सीमा पर सामरिक सरप्राइज की संभावना पहले के मुकाबले बेहद कम हो गई है। यानी अगर बांग्लादेश की ओर से कोई छोटी सी सैन्य हिमाकत भी होती है तो भारतीय सेना के पास जवाब देने के लिए पहले से तैयार बहुस्तरीय व्यवस्था मौजूद है।
असली नजर तो चीन पर ही हैहालांकि बांग्लादेश को लेकर चर्चा ज्यादा होती है, लेकिन भारतीय सेना की सबसे बड़ी चिंता आज भी चीन है। सिक्किम और भूटान के बीच स्थित चुंबी वैली लंबे समय से चीन की रणनीतिक गतिविधियों का केंद्र रही है। यह इलाका सिलीगुड़ी कॉरिडोर के काफी करीब पड़ता है। इसलिए भारत ने यहां अपनी सैन्य ताकत लगातार बढ़ाई है। पूर्वी मोर्चे पर तैनात त्रिशक्ति कोर को अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया गया है। यहां एस-४०० एयर डिफेंस सिस्टम, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और हासीमारा एयरबेस से उड़ान भरने वाले राफेल लड़ाकू विमान पूरे क्षेत्र को सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं। यानी अगर चीन चुंबी वैली के जरिए दबाव बनाने की कोशिश करता है तो उसे सिर्फ जमीनी सेना ही नहीं, बल्कि हवा और मिसाइलों से भी जवाब मिलेगा।
अब सड़क और रेल भी हथियार आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों से नहीं जीते जाते. सबसे बड़ी ताकत होती है लॉजिस्टिक्स. भारत ने इसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा निवेश किया है। कॉरिडोर तक पहुंचने वाली रणनीतिक सड़कों को चौड़ीकरण किया गया है। रेलवे लाइनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। भविष्य के लिए भूमिगत रेल नेटवर्क की योजना पर भी काम चल रहा है ताकि युद्ध की स्थिति में सप्लाई चेन प्रभावित न हो। इसके अलावा म्यांमार के रास्ते कालादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। इसका मकसद साफ है। अगर किसी कारणवश सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर दबाव बढ़ता है तो पूर्वोत्तर तक पहुंचने के लिए भारत के पास वैकल्पिक रास्ता भी मौजूद रहे। सैन्य अधिकारियों का मानना है कि आज सिलीगुड़ी कॉरिडोर को सिर्फ उसकी चौड़ाई से नहीं आंका जा सकता। यहां स्थायी सैन्य ठिकाने हैं। आधुनिक निगरानी तंत्र है। मिसाइल सुरक्षा है। वायुसेना की मजबूत मौजूदगी है। चौबीसों घंटे सक्रिय लॉजिस्टिक नेटवर्क है। यानी यह इलाका अब किसी कमजोर गलियारे की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे सैन्य प्लेटफॉर्म की तरह काम कर रहा है जहां से जरूरत पड़ने पर रक्षा भी की जा सकती है और जवाबी कार्रवाई भी। इसीलिए सेना अब इसे 'चिकन नेक' नहीं बल्कि 'एलीफेंट ट्रंक' कह रही है। संदेश साफ है। भारत अब सिर्फ अपनी सबसे संवेदनशील सीमा की रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि उसने इसे इतनी मजबूती दे दी है कि पूरी मोर्चे पर किसी भी दुस्साहस की कीमत दुश्मन को बहुत भारी पड़ सकती है

असम में बाढ़ से हालात गंभीर, ११ जिलों की ६५३१६४....

१० लोगों की मौत हो गई। कामरूप में १, चराईदेव में २, शिवसागर में ३, जोरहाट में ३ और धेमाजी में १ व्यक्ति की मौत हुई है। इस बीच लापता होने वालों की संख्या शिवसागर जिले में ६ दर्ज की गई है। बाढ़ से प्रभावित जानवरों की कुल संख्या १३८९६५ दर्ज हुई है, जिसमें बड़े ५७५५२, छोटे ३८७३८ एवं मुर्गी-पालन ४२६२५ दर्ज हुए हैं। इस बीच बाढ़ के पानी में कुल १०७ जानवर बह गये, जिसमें बड़े ८३, छोटे ०४ और मुर्गी-पालन २० बताये गये हैं।बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। प्रभावित इलाकों में राज्य सरकार ने कुल ११ मेडिकल टीमों को तैनात किया। ५६ नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। बाढ़ में फंसे ८४०९ लोगों को नावों द्वारा निकाला गया। ३५ जानवरों को भी नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित शिवसागर जिले में राहत के कार्य में १ हेलीकॉप्टरों को भी तैनात किया गया। हेलीकॉप्टर के जरिए बाढ़ में फंसे एक व्यक्ति को सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।बाढ़ प्रभावितों के बीच राज्य सरकार की ओर से चावल (क्विंटल में): ३६३७.५२५४, दाल (क्विंटल में): ६९१.७६३२, नमक (क्विंटल में): १५२२.३२८१, मस्टर्ड ऑयल/सरसों का तेल (लीटर में): १४०२९.१३३ साथ ही पशुओं का चारा - गेहूं का चोकर (क्विंटल में): २०२६.८४ और पशुओं का चारा - चावल का चोकर (क्विंटल में): ४७७.६५ राहत सामग्री बांटी गई। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर नीट पेपर लीक के दोषियों का....

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहा है। सोमवार को संसद मार्च के दौरान झड़प भी हुई थी। सोनम वांगचुक और सीजेपी की मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाए.इससे पहले पीएम मोदी ने नीट पेपर लीक को घोर पाप बताया था. समाचार एजेंसी सूत्रों के मुताबिक, NEET-UG 2026 विवाद पर अपनी पहली टिप्पणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा के पेपर लीक होने को 'घोर पाप' बताया था. उन्होंने मंगल मिलन मीटिंग के दौरान इस बात पर जोर दिया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए. बता दें कि मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई थी. उस बैठक में ही पीएम मोदी ने यह टिप्पणी की थी.एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की गई है कि कोई भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ न करे. साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में पेपर लीक न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्य सरकारों और केंद्र को पाटी से ऊपर उठकर मिलकर काम करना चाहिए. यह पाटी की राजनीति का मामला नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय हित का मामला है.किरेन रिजिजू के अनुसार, पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार ने तेजी से कार्रवाई की और इसमें शामिल लोगों को कड़ी सजा दिलाने के लिए धुरंधर यानी एक्सपर्ट्स वकीलों को नियुक्त किया है. प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और छात्रों पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए बिना किसी देरी के दोबारा नीट परीक्षा आयोजित की गई.

असम बजट को जनकल्याणकारी, जनोन्मुखी ...

और विकसित असम' के निर्माण के लक्ष्य के तहत बजट में 'अष्टदश मुकुट उन्नयन माला' के नाम से १८ महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की घोषणा की गई है।बजट की प्रमुख घोषणाओं का उल्लेख करते हुए रूपम साहा ने कहा कि गुवाहाटी-शिलचर हाई-स्पीड आर्थिक कॉरिडोर के निर्माण से यात्रा का समय १० घंटे से घटकर लगभग ५ घंटे रह जाएगा। इसके अलावा बराक घाटी विकास विभाग के लिए १०५ करोड़ रुपये का प्रावधान, गुवाहाटी-शिलिगुड़ी आर्थिक कॉरिडोर का निर्माण, उमरांगसो तक नई रेल लाइन, रूपसी हवाई अड्डे का विकास तथा शिलचर में डोलू ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को भी बजट में महत्व दिया गया है।उन्होंने बताया कि 'अरुणोदय' योजना के तहत प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता जारी रखने, गर्भवती चाय बागान श्रमिकों को आर्थिक सहायता, दिव्यांगों के कल्याण के लिए ९४६ करोड़ रुपये का प्रावधान, बेरोजगार युवाओं को ऋण सहायता तथा 'असम माला' परियोजना के माध्यम से सड़क और संपर्क व्यवस्था के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।रूपम साहा ने दावा किया कि यह बजट राज्य में आर्थिक विकास को गति देने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और जनकल्याणकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।संवाददाता सम्मेलन में काछाड़ जिला परिषद के अध्यक्ष कंकन नारायण सिकिदार, जिला भाजपा के महासचिव अमिताभ राय और गोपाल चंद्र राय तथा उपाध्यक्ष अभ्रजीत चक्रवर्ती उपस्थित थे।

दो महीने पहले गूंजी थीं शहनाइयाँ, आज उसी घर....

भविष्य की कल्पना कर रहा था। लेकिन किसे पता था कि नियति इतनी बेरहम साबित होगी। देखते ही देखते खुशियों से भरा वही घर आंसुओं और सन्नाटे में डूब जाएगा।
प्रेरणा भारती न्यूज़ नेटवर्क की टीम जब मृतक के घर पहुंची, तो वहां का दृश्य बेहद हृदयविदारक था। घर में हर ओर चीख-पुकार और सिसकियां सुनाई दे रही थीं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। नई-नवेली पत्नी अपने पति को याद कर बार-बार बेसुध हो रही थी। रिश्तेदार और पड़ोसी परिवार को ढांढस बंधाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन इस असमय हुई मौत का दर्द हर किसी के चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था।परिजनों का कहना है कि मंजू गोपाल कुर्मी परिवार के प्रमुख सहारा थे। उनकी अचानक मौत से परिवार आर्थिक और मानसिक दोनों तरह के संकट में आ गया है। उन्होंने संबंधित बिजली विभाग से मांग की है कि परिवार को तत्काल उचित मुआवजा दिया जाए और मृतक की पत्नी को सहानुभूतिपूर्ण आधार पर नौकरी उपलब्ध कराई जाए, ताकि परिवार का भविष्य सुरक्षित हो सके।
स्थानीय लोगों ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग से निष्पक्ष जांच तथा आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया गया होता, तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था। (यदि यह तथ्य आधिकारिक जांच में स्थापित नहीं हुआ है, तो प्रसारण से पहले इस वाक्य को हटाना या सत्यापित करना उचित होगा।)फिलहाल पूरे इलाके में शोक का माहौल है। हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल है कि आखिर इस परिवार को न्याय कब मिलेगा और उनकी मांगों पर संबंधित विभाग क्या निर्णय लेगा।

बाढ़ में ५५ लोग अब भी लापता, २,००० से अधिक मवेशियों की मौत: नाजिरा विधायक

गुवाहाटी, २३ जुलाई (हि.स.)। नाजिरा के विधायक मयूर बरगोहाई ने बताया कि बाढ़ से क्षेत्र में भारी तबाही हुई है। अब तक ५५ लोग लापता हैं, जबकि २,००० से अधिक मवेशियों की मौत हो चुकी है।उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण लगभग २०० पक्की सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। वहीं, बिहुबर क्षेत्र में सड़कों पर आठ फुट तक गाद जमा हो गई है, जिससे आवागमन और राहत कार्य प्रभावित हुए हैं। विधायक ने कहा कि प्रशासन प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य जारी रखे हुए है।

अरुणाचल ने बाढ़ से प्रभावित ऊपरी सुबनसिरी गांवों में राहत का सामान एयरलिफ्ट किया, जो खराब सड़कों और पुलों की वजह से कट गए हैं

दापोरिजो (अरुणाचल प्रदेश) (अर्णव शर्मा) २३ जुलाई : एक बड़े मानवीय काम के तहत, अरुणाचल प्रदेश सरकार ने ऊपरी सुबनसिरी जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों में जरूरी राहत का सामान एयरलिफ्ट करने के लिए हेलीकॉप्टर उड़ानें शुरू की हैं। लगातार मॉनसून की बारिश की वजह से सड़कें और पुल बुरी तरह खराब हो गए हैं, जिससे दर्जनों दूर-दराज के गांव जिला हेडक्वार्टर से पूरी तरह कट गए हैं।ऊपरी सुबनसिरी जिला प्रशासन ने इमरजेंसी ऑपरेशन तब शुरू किया जब अचानक आई बाढ़ में न्यो और जाओ नदियों के किनारे सड़कें टूट गईं और जाओ नदी पर बना एक अहम पुल बह गया। इस तबाही ने ऊपरी गिबा सर्कल के २२ गांवों और निलिंग सर्कल के २० गांवों को अलग-थलग कर दिया है, जबकि लिंगदम से सड़क संपर्क भी टूट गया है, जिससे सड़क से आना-जाना नामुमकिन हो गया है।इस मुश्किल का सामना करते हुए, डिप्टी कमिश्नर की अगुवाई में जिला प्रशासन ने सिविल एविएशन डायरेक्टरेट से हेलीकॉप्टर की मदद मांगी। लोकल चड़अ तानिया सोकी के सपोर्ट से, राज्य सरकार ने २२ और २३ जुलाई को चावल, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजें दापोरिजो से प्रभावित इलाकों तक पहुंचाने के लिए खास हेलीकॉप्टर उड़ानों को मंजूरी दी।अधिकारियों ने कहा कि एयरलिफ्ट ऑपरेशन का मकसद फंसे हुए लोगों को सड़क संपर्क ठीक होने तक बिना किसी रुकावट के खाना और मेडिकल मदद पहुंचाना है। बाढ़ और लैंडस्लाइड से हुए बड़े नुकसान की वजह से, अभी अलग-थलग पड़े गांवों तक पहुंचने का एकमात्र तरीका हेलीकॉप्टर ही है।यह राहत अभियान ऐसे समय में चलाया जा रहा है जब अरुणाचल प्रदेश हाल के सालों में अपनी सबसे बुरी मॉनसून आपदाओं में से एक से जूझ रहा है। लगातार भारी बारिश की वजह से पूरे राज्य में बाढ़ और लैंडस्लाइड हुए हैं, जिससे सड़कें, पुल, पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है और ऊपरी सुबनसिरी समेत कई जिलों में आम जिंदगी में रुकावट आई है।अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जब तक सामान्य संपर्क ठीक नहीं हो जाता, राहत अभियान जारी रहेगा, जबकि इंजीनियरिंग टीमें खराब इंफ्रास्ट्रक्चर का आकलन कर रही हैं और मरम्मत के काम की योजना बना रही हैं। इस बीच, लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है क्योंकि राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश जारी रहने की उम्मीद है।

डिब्रूगढ़ में अनजान बदमाशों ने तीन युवकों पर फायरिंग की, पुलिस ने जांच शुरू की

डिब्रूगढ़: (अर्णव शर्मा) २३ जुलाई : असम के डिब्रूगढ़ जिले में लाहोवाल के घोरमारा इलाके के पास बुधवार, २२ जुलाई की रात को अनजान बदमाशों ने कथित तौर पर तीन युवकों पर फायरिंग की, जिसमें वे घायल हो गए।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीड़ित दोपहिया वाहन से डिब्रूगढ़ जा रहे थे, तभी एक लग्जरी गाड़ी में आए अनजान लोगों के एक ग्रुप ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने कथित तौर पर युवकों पर फायरिंग की और मौके से भाग गए।पीड़ितों में से एक, चबुआ के रंगचांगी कोपोहुवा गांव के रहने वाले रंटू गोगोई के पैर में गोली लगी। घटना के दौरान दो अन्य, जिनकी पहचान दीप्योति गोगोई और मिठू गोगोई के रूप में हुई है, भी घायल हो गए।घायल युवकों को डिब्रूगढ़ के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत के बारे में ऑफिशियली जानकारी नहीं दी गई है।फायरिंग से इलाके के लोगों में दहशत फैल गई, और स्थानीय लोगों ने अचानक हिंसा फैलने पर चिंता जताई। बताया जा रहा है कि हमला करने के तुरंत बाद आरोपी भाग गए।पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। अधिकारी घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं, जबकि आगे की जानकारी का इंतजार है।

दीमा हसाओ में मालगाड़ी के पटरी से उतरने से नौ घंटे बाधित रही रेल सेवा, अब परिचालन सामान्य

दीपांजलि राय शिलचर, २२ जुलाई: असम के दीमा हसाओ जिले में मंगलवार को दामछरा और चंद्रनाथपुर स्टेशनों के बीच चावल से लदी मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी रेलखंड पर करीब नौ घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा। इसका असर शिलचर और बराक घाटी की कई रेल सेवाओं पर पड़ा तथा यात्री ट्रेनों को देरी का सामना करना पड़ा।रेलवे की राहत और तकनीकी टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बहाली कार्य शुरू किया। लगभग नौ घंटे बाद रेल मार्ग को बहाल कर ट्रेनों का परिचालन धीरे-धीरे सामान्य कर दिया गया। दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

क्लाइमेट चेंज, ब्रह्मपुत्र या चीन...हर साल क्यों डूबता ....

नदियों में पहुंचता है. कई पुराने तटबंध अब कमजोर पड़ चुके हैं. दूसरी ओर ब्रह्मपुत्र लगातार अपना रास्ता बदलती रहती है. ऐसे में सिर्फ तटबंध बनाकर बाढ़ को हमेशा के लिए रोकना संभव नहीं है. यही वजह है कि अब विशेषज्ञ नदी बेसिन प्रबंधन, वेटलैंड संरक्षण और वैज्ञानिक बाढ़ प्रबंधन पर ज्यादा जोर दे रहे हैं. असम में बाढ़ नई बात नहीं है, लेकिन कुछ साल ऐसे रहे हैं जिन्हें आज भी सबसे भीषण आपदाओं में गिना जाता है. १९८८ की बाढ़ में ५०० से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी. १९९८ में भी १०० से अधिक लोगों ने जान गंवाई. २००४ में करीब १.६ करोड़ लोग बाढ़ से प्रभावित हुए. इसे राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी मानवीय आपदाओं में गिना जाता है.२०१२ की बाढ़ में १२० से ज्यादा लोगों की मौत हुई और काजीरंगा नेशनल पार्क में सैकड़ों वन्यजीव मारे गए. २०१९ में करीब ५२ लाख लोग प्रभावित हुए, जबकि २०२२ की बाढ़ ने ३२ जिलों में ५६ लाख से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया और १९० से अधिक लोगों की जान चली गई. सिलचर शहर में उस दौरान अभूतपूर्व शहरी बाढ़ देखने को मिली थी. अब २०२६ में एक बार फिर राज्य गंभीर संकट से गुजर रहा है. मौतों का आंकड़ा ५० तक पहुंच चुका है और राहत एजेंसियों का कहना है कि हालात अभी और बिगड़ सकते हैं.विशेषज्ञों का मानना है कि असम की बाढ़ का कोई एक स्थायी समाधान नहीं है. ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल और लगातार बदलने वाली नदी को पूरी तरह नियंत्रित करना लगभग असंभव है. इसलिए अब रणनीति बदलने की जरूरत बताई जा रही है. मजबूत तटबंधों के साथ-साथ नदी बेसिन का वैज्ञानिक प्रबंधन, आर्द्रभूमियों का संरक्षण, बाढ़ संभावित क्षेत्रों की वैज्ञानिक योजना, आधुनिक पूर्वानुमान प्रणाली और गांव स्तर तक समय पर चेतावनी पहुंचाना ही नुकसान कम करने का सबसे प्रभावी तरीका माना जा रहा है. कई विशेषज्ञ तो यहां तक कहते हैं कि असम को बाढ़ रोकने के बजाय उसके साथ जीने की रणनीति अपनानी होगी, क्योंकि ब्रह्मपुत्र ने सदियों से इस राज्य की संस्कृति, खेती और भूगोल को आकार दिया है.चीन का प्रोजेक्ट क्यों बढ़ा रहा भारत की चिंता?असम की बाढ़ के बीच एक और मुद्दा लगातार चर्चा में रहता है- चीन का ब्रह्मपुत्र पर प्रस्तावित मेगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट. तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो पर बनने वाली इस परियोजना को लेकर भारत कई बार चिंता जता चुका है. नई दिल्ली का कहना है कि ऊपरी हिस्से में बनने वाले बड़े बांध नदी के प्राकृतिक प्रवाह, पारिस्थितिकी तंत्र और आपदा प्रबंधन को प्रभावित कर सकते हैं. चीन का दावा है कि यह रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना है और इससे नदी के बहाव में बड़ा बदलाव नहीं होगा. लेकिन भारत लगातार हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करने और परियोजना में पारदर्शिता की मांग करता रहा है.विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भविष्य में ऊपरी हिस्से में पानी के प्रवाह या डिस्चार्ज के पैटर्न में बड़ा बदलाव होता है, तो उसका असर असम की बाढ़ और जल प्रबंधन दोनों पर पड़ सकता है. यही वजह है कि ब्रह्मपुत्र अब सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि भारत की पर्यावरणीय, रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा अहम विषय बन चुकी है.

असम में बाढ़ से सिमालुगुरी सेक्शन में रेल सेवा बाधित होने के बाद बहाली का काम जोरों पर

शिवसागर:(अर्णव शर्मा) २३ जुलाई : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (NFR) ने असम के बाढ़ प्रभावित सिमालुगुरी सेक्शन में युद्धस्तर पर बहाली का काम तेज कर दिया है। डिखो नदी के उफान से आई भीषण बाढ़ ने ऊपरी असम में रेल संपर्क को बाधित कर दिया था।बाढ़ का पानी शिवसागर जिले में सिमालुगुरी स्टेशन यार्ड, रेलवे कॉलोनी और आस-पास की रेल पटरियों में भर गया, जिससे सिमालुगुरी-नामटियाली और सिमालुगुरी-सेलेनघाट सेक्शन के बीच ट्रेनों की आवाजाही रोकनी पड़ी। इस रुकावट से दर्जनों लंबी दूरी और लोकल ट्रेन सेवाओं पर असर पड़ा, जिसके कारण यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेनों को रद्द करना पड़ा, उनका रास्ता बदलना पड़ा या उन्हें बीच में ही रोकना पड़ा।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि तिनसुकिया डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में चौबीसों घंटे बहाली का काम चल रहा है। क्षतिग्रस्त पटरी को ठीक करने, रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और ट्रेन सेवा फिर से शुरू होने से पहले लगातार सुरक्षा जांच करने के लिए सेलेनघाट-अमगुरी सेक्शन में इंजीनियरों और सुपरवाइजरों के साथ २०० से ज्यादा कर्मचारियों को तैनात किया गया है। खराब मौसम के बावजूद शिवसागर टाउन-सिमालुगुरी सेक्शन में भी बड़े पैमाने पर मरम्मत का काम किया गया है।ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण आई अभूतपूर्व बाढ़ ने रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को जलमग्न कर दिया और ऊपरी असम तथा देश के बाकी हिस्सों के बीच संपर्क को बुरी तरह बाधित कर दिया। इसके जवाब में, छ्रऋ ने डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से चलने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों का रास्ता रंगिया-रंगापारा रूट से बदल दिया, जबकि कई यात्री सेवाओं को रद्द कर दिया गया या आंशिक रूप से रोक दिया गया।NFR ने दोहराया है कि यात्रियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और भरोसा दिलाया है कि जल्द से जल्द सामान्य ट्रेन सेवा बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि प्रभावित सेक्शन में बहाली का काम जारी रहने के कारण यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों की ताजा स्थिति की जांच कर लें।

NEEPCO ने दोयांग डैम के गेट खोले; गोलाघाट एडमिनिस्ट्रेशन ने निचले इलाकों के लिए हाई अलर्ट जारी किया

गोलाघाट (अर्णव शर्मा) २३ जुलाई : : नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (NEEPCO) ने नागालैंड में दोयांग हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट रिजर्वॉयर से ज़्यादा पानी छोड़ना शुरू कर दिया है, क्योंकि लगातार बारिश की वजह से रिजर्वॉयर का वॉटर लेवल तेजी से बढ़ गया है। गुरुवार को, छण्एइझउज ने कंट्रोल तरीके से पानी निकालने के लिए दो रेडियल गेट ०.५ मीटर खोल दिए।गोलाघाट जिला एडमिनिस्ट्रेशन, खासकर सरूपथार सब-डिवीजनल एडमिनिस्ट्रेशन ने दोयांग और धनसिरी नदियों के निचले हिस्सों में रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ का अलर्ट जारी किया है, और चेतावनी दी है कि पानी छोड़ने के बाद नदी का लेवल अचानक बढ़ सकता है।अधिकारियों ने निचले इलाकों और नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और नदियों, झरनों, नहरों या पानी से भरी जगहों के पास जाने से बचने की अपील की है। लोगों को नहाने, मछली पकड़ने, तैरने या बाढ़ वाली सड़कों को पार करने से भी मना किया गया है, जबकि माता-पिता से कहा गया है कि वे बच्चों को पानी वाली जगहों से दूर रखें। एडमिनिस्ट्रेशन ने लोगों को चेतावनी दी है कि वे बिजली के खंभों, ट्रांसफॉर्मर और पानी में डूबे बिजली के इंस्टॉलेशन के संपर्क में आने से बचें, क्योंकि इससे करंट लगने का खतरा है।इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को स्टैंडबाय पर रखा गया है, और जिले के अधिकारी नीचे की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। बाढ़ से जुड़ी किसी भी घटना से निपटने के लिए सरूपथार इमरजेंसी कंट्रोल रूम को भी एक्टिवेट कर दिया गया है।ये एहतियाती कदम नागालैंड और ऊपरी असम में भारी मॉनसून बारिश के बीच उठाए गए हैं, जिससे नदियाँ और नाले पहले ही उफान पर हैं। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहें न फैलाएं और सिर्फ जिला एडमिनिस्ट्रेशन और डिजास्टर मैनेजमेंट अधिकारियों द्वारा जारी किए गए वेरिफाइड अपडेट को ही मानें। यह रिपोर्ट फाइल करते समय, कंट्रोल्ड पानी छोड़ने की वजह से नीचे की तरफ बड़ी बाढ़ की कोई कन्फर्म रिपोर्ट नहीं थी, हालांकि अधिकारी नदी के लेवल पर नजर रख रहे हैं और लोगों को अलर्ट रहने की सलाह दी है।

तिरप ने मॉनसून की तैयारी को मजबूत करने के लिए डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान २०२५-२६ पेश किया

खोंसा:(अर्णव शर्मा) २३ जुलाई : मौजूदा मॉनसून सीजन के दौरान डिजास्टर की तैयारी को बढ़ाने और इमरजेंसी रिस्पॉन्स को बेहतर बनाने की एक बड़ी पहल में, तिरप के डिप्टी कमिश्नर बदोनलम तौसिक ने खोंसा में DC के कॉन्फ्रेंस हॉल में डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटी (ऊएउ) की मीटिंग के दौरान डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान (DDMP) २०२५-२६ पेश किया।मीटिंग में पूरे जिले से रिपोर्ट किए गए बाढ़ और मॉनसून से जुड़े नुकसान का रिव्यू किया गया और पूरी डिजास्टर स्थिति का आकलन किया गया, साथ ही रेस्टोरेशन, राहत और तैयारी के लिए मिलकर बनाई गई स्ट्रेटेजी बनाई गई।डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट ऑफिसर एमिली तिंगखत्रा ने नुकसान का डिटेल्ड आकलन पेश किया, जिसमें रिहायशी घरों, पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान और फील्ड अधिकारियों द्वारा बताए गए सेक्टर-वाइज असर पर रोशनी डाली गई।
पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, रूरल वर्क्स डिपार्टमेंट, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट, एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, फूड एंड सिविल सप्लाई, एजुकेशन, पावर और दूसरे लाइन डिपार्टमेंट के हेड ने कमेटी को नुकसान की हद, ठीक करने के लिए किए गए उपायों और जरूरी पब्लिक सर्विसेज की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी।डिटेल में बातचीत के बाद, डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटी ने मौजूदा SDRF/NDRF नियमों के तहत बांटने के लिए योग्य पेंडिंग मुआवजे के मामलों को मंजूरी दे दी, जो फंड की उपलब्धता और जरूरी फॉर्मेलिटीज पूरी होने पर निर्भर करेगा।
मीटिंग को संबोधित करते हुए, डिप्टी कमिश्नर बदोनलम तौसिक ने सभी डिपार्टमेंट को जरूरी सर्विसेज और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने डिपार्टमेंट को पूरे मानसून में इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम, मैनपावर, मशीनरी और दूसरे जरूरी रिसोर्स तैयार रखने का निर्देश दिया ताकि किसी भी इमरजेंसी के दौरान तेजी से कार्रवाई की जा सके।फूड एंड सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट को सप्लाई में रुकावट रोकने के लिए जरूरी चीजों का काफी स्टॉक बनाए रखने के लिए कहा गया, जबकि पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को प्रभावित इलाकों में साफ पीने के पानी की बिना रुकावट सप्लाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।डिप्टी कमिश्नर ने सभी एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों और डिपार्टमेंट के हेड को रेगुलर डैमेज असेसमेंट रिपोर्ट, इंसिडेंट रिपोर्ट और जियो-टैग्ड फोटोग्राफ जमा करने का भी निर्देश दिया, ताकि उन्हें एक साथ रखा जा सके और सरकार को आगे जमा किया जा सके।डिपार्टमेंट को आगे डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (DDMA) के साथ करीबी कोऑर्डिनेशन बनाए रखने और किसी भी इमरजेंसी की तुरंत रिपोर्ट डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (DEOC) को देने का निर्देश दिया गया, ताकि समय पर दखल दिया जा सके।मीटिंग का एक खास हिस्सा डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान २०२५-२६ का फॉर्मल लॉन्च था, जिसकी कॉपी सभी सदस्यों को बांटी गई। यह डॉक्यूमेंट डिजास्टर की तैयारी, नुकसान कम करने, रिस्पॉन्स और रिकवरी के लिए डिस्ट्रिक्ट के गाइडिंग फ्रेमवर्क के तौर पर काम करेगा, साथ ही इंटर-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन और इंस्टीट्यूशनल तैयारी को मजबूत करेगा।इस बात पर जोर देते हुए कि तैयारी प्राकृतिक आपदाओं के असर को कम करने का सबसे असरदार तरीका है, डिप्टी कमिश्नर ने कमजोर जगहों की लगातार मॉनिटरिंग, समय पर शुरुआती चेतावनी मैसेज पहुंचाने, डिपार्टमेंट के बीच आसानी से कोऑर्डिनेशन करने और चल रहे मानसून सीजन के दौरान जान-माल की सुरक्षा के लिए तुरंत इमरजेंसी रिस्पॉन्स देने को कहा।

राहत बांटने का काम तेज किया गया, डिब्रूगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन ने बाढ़ से निपटने के लिए कदम उठाए, जानवरों के इलाज के कैंप लगाए गए

डिब्रूगढ़: (अर्णव शर्मा) २३ जुलाई : डिब्रूगढ़ जिला एडमिनिस्ट्रेशन ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों में राहत और पुनर्वास के काम तेज कर दिए हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर मदद मिल सके और हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित जानवरों को जरूरी जानवरों की देखभाल भी मिल सके।चल रहे बाढ़ राहत ऑपरेशन के हिस्से के तौर पर, बाहबारी नंबर २ और चराईबाही हिंगोरी गांव में बाढ़ से प्रभावित परिवारों को मुफ्त राहत (ऋठ) बांटी गई। इसके अलावा, टेंगाखाट रेवेन्यू सर्कल के तहत जुटलीबाड़ी टी एस्टेट में ऋठ बांटने का काम सफलतापूर्वक किया गया, जिससे यह पक्का हुआ कि जरूरी राहत सामग्री बिना देर किए कमजोर परिवारों तक पहुंच जाए।आपदा के दौरान जानवरों की सुरक्षा के महत्व को समझते हुए, डिब्रूगढ़ का जिला पशुपालन और जानवरों के इलाज का डिपार्टमेंट बाढ़ प्रभावित इलाकों में जानवरों के इलाज के हेल्थ कैंप लगा रहा है। बाढ़ से प्रभावित जानवरों को इमरजेंसी हेल्थकेयर सर्विस देने के लिए डेरी घाट ब्लॉक के हातिपति हाई स्कूल में जानवरों के इलाज और हेल्थ कैंप लगाया गया।जानवरों की डॉक्टरों की टीमों ने १ नंबर दिसांग किनार और आस-पास के बाढ़ प्रभावित इलाकों में जानवरों के लिए चारा बांटने का कैंप भी लगाया। कैंप के दौरान, अधिकारियों ने हेल्थ चेक-अप किए, इलाज किया, बीमारी से बचाव के तरीके अपनाए, चारा बांटा और जानवरों के मालिकों को सलाह दी।डिपार्टमेंट ने जिले के सभी बाढ़ प्रभावित इलाकों में समय पर जानवरों की डॉक्टरी सेवाएं देने और जानवरों की भलाई पक्का करने का अपना वादा दोहराया।इस बीच, डिब्रूगढ़ के डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, बिक्रम कैरी, खअड, जो डिब्रूगढ़ में डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (DDMA) के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर भी हैं, ने खोवांग के को-डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, जयंत चरण, खअड, और मोरन रेवेन्यू सर्कल की सर्कल ऑफिसर, अंकन ज्योति फुकन के साथ मोरन रेवेन्यू सर्कल के तहत आने वाले बाढ़ प्रभावित गांवों १ नंबर मैना गांव और २ नंबर मैना गांव का दौरा किया।अधिकारियों ने जमीन पर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया, स्थानीय लोगों से बातचीत की, और चल रहे राहत और पुनर्वास के कामों का रिव्यू किया ताकि यह पक्का हो सके कि जरूरतमंदों तक मदद अच्छे से पहुंच रही है। उन्होंने फील्ड अधिकारियों को हालात पर कड़ी नजर रखने और नॉर्मल हालात होने तक राहत और जरूरी सेवाओं की बिना रुकावट डिलीवरी पक्का करने का भी निर्देश दिया।जिला प्रशासन ने बाढ़ से प्रभावित समुदायों को मिलकर राहत बांटने, जानवरों की भलाई के कामों और चल रहे मॉनसून इमरजेंसी के दौरान लगातार फील्ड मॉनिटरिंग के जरिए पूरी मदद देने का अपना वादा दोहराया है।

एसबीआई लाइफ ने डिब्रूगढ़ क्रिकेट कोचिंग सेंटर को ५०,००० रुपये के अनुदान के साथ सीएसआर समर्थन बढ़ाया

डिब्रूगढ (अर्णव शर्मा) २३ जुलाई : : जमीनी स्तर पर क्रिकेट के विकास को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत, खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए डिब्रूगढ़ क्रिकेट कोचिंग सेंटर को ५०,००० रुपये की वित्तीय सहायता दी है।डिब्रूगढ़ जिला खेल संघ (डीडीएसए) के जालान आउटडोर स्टेडियम परिसर में स्थित डिब्रूगढ़ क्रिकेट कोचिंग सेंटर के कार्यालय में आयोजित एक समारोह के दौरान चेक औपचारिक रूप से सौंपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शर्मा ने की।

इस कार्यक्रम में एसबीआई लाइफ, गुवाहाटी के क्षेत्रीय प्रबंधक मृदुल कलिता के साथ-साथ क्षेत्रीय क्षेत्र प्रबंधक संजीत रंजन और चिन्मय डेका, वरिष्ठ क्षेत्र प्रबंधक कुणाल पांडे, और वरिष्ठ व्यवसाय विकास प्रबंधक मानस प्रतिम बोरा और रश्मि अग्रवाल शामिल हुए असम के पहले छ्खड-क्वालिफाइड क्रिकेट कोच और कोचिंग सेंटर के सीनियर एडवाइजर प्रणब बरुआ; पूर्व रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर और असम क्रिकेट एसोसिएशन जूनियर टीम के सिलेक्टर निरंजन सैकिया और सौरव भगवती; पूर्व रणजी क्रिकेटर और कोचिंग सेंटर के जनरल सेक्रेटरी सलीम अहमद; पूर्व रणजी खिलाडी और सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट अजीत हजारिका; और डिब्रूगढ़ वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट तारिक खान।लोगों का स्वागत करते हुए, ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि १९८७ में बना डिब्रूगढ़ क्रिकेट कोचिंग सेंटर लगभग चार दशकों से क्रिकेट टैलेंट को तराश रहा है और इसने कई ऐसे खिलाडी तैयार किए हैं जिन्होंने अलग-अलग लेवल पर असम को रिप्रेजेंट किया है। उन्होंने SBI लाइफ का उक्ष पहल के जरिए इंस्टीट्यूशन को सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया अदा किया।लोगों को संबोधित करते हुए, DDSA प्रेसिडेंट निरंजन सैकिया ने युवा क्रिकेटरों से कहा कि वे खेल को डेडिकेशन, डिसिप्लिन और कमिटमेंट के साथ अपनाएं ताकि वे कामयाब खिलाडी बन सकें।इस मौके पर, SBI लाइफ के रीजनल मैनेजर मृदुल कलिता ने असम में क्रिकेट डेवलपमेंट में कोचिंग सेंटर के लगातार योगदान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि SBI लाइफ अपने CSR प्रोग्राम के जरिए अलग-अलग सेक्टर को एक्टिवली सपोर्ट कर रहा है और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट में योगदान दे पाने पर खुशी जताई। कलिता ने यह भी भरोसा दिलाया कि कंपनी भविष्य में कोचिंग सेंटर को और सपोर्ट देने की कोशिश करेगी।

प्रोग्राम के दौरान, कलिता ने फॉर्मली कोचिंग सेंटर को ठी ५०,००० का चेक दिया और इसकी ऑफिशियल टीम जर्सी भी दिखाई।इस इवेंट को डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट और डिब्रूगढ़ क्रिकेट कोचिंग सेंटर के वाइस-प्रेसिडेंट मानस ज्योति दत्ता ने कंपेयर किया।

भोपाल गैस त्रासदी मामले में हाई कोर्ट सख्त, यूनियन कार्बाइड क्षेत्र के भूजल की होगी नई वैज्ञानिक जांच

जबलपुर. (एजें) २३ जुलाई : भोपाल गैस त्रासदी से जुडे पर्यावरणीय और जनस्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास के भूजल की स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं. अदालत ने परिसर और उसके आसपास भूजल अब भी दूषित होने के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीपीसीबी) को विशेषज्ञ समिति गठित कर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से स्वतंत्र एवं वैज्ञानिक जांच कराने का आदेश दिया है. हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि भूजल की वास्तविक स्थिति का पता केवल निष्पक्ष वैज्ञानिक परीक्षण से ही लगाया जा सकता है. अदालत ने जांच रिपोर्ट १३ अगस्त तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं, जबकि मामले की अगली सुनवाई ३ सितंबर को निर्धारित की गई है.यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने वर्ष २००४ से लंबित जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया. यह जनहित याचिका स्वर्गीय आलोक प्रताप सिंह द्वारा दायर की गई थी, जिसमें भोपाल गैस त्रासदी के बाद पर्यावरणीय प्रभावों और प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का मुद्दा उठाया गया था. दो दशक से अधिक समय से लंबित इस मामले में हाई कोर्ट लगातार पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों और प्रदूषण नियंत्रण से जुडे पहलुओं की निगरानी कर रहा है.सुनवाई के दौरान हस्तक्षेपकर्ताओं ने न्यायालय के समक्ष कहा कि यूनियन कार्बाइड परिसर से जहरीले अपशिष्ट के निष्पादन की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद आसपास के कई वार्डों में भूजल दूषित होने की शिकायतें अब भी लगातार मिल रही हैं. उनका कहना था कि प्रभावित क्षेत्रों के निवासी वर्षों से दूषित पानी के उपयोग को लेकर चिंतित हैं और इससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बना हुआ है. हस्तक्षेपकर्ताओं ने अदालत से स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से वैज्ञानिक परीक्षण कराने का अनुरोध किया, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके.इन दलीलों पर विचार करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि भूजल प्रदूषण जैसे संवेदनशील विषय पर केवल दावों या आशंकाओं के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता. यदि आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण के आरोप लगाए जा रहे हैं तो उनकी पुष्टि अथवा खंडन वैज्ञानिक परीक्षण से ही संभव है.

इसी कारण अदालत ने एमपीपीसीबी को निर्देश दिया कि विशेषज्ञों की समिति गठित कर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से विभिन्न स्थानों के भूजल नमूनों की जांच कराई जाए और विस्तृत रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाए.अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप होनी चाहिए. विशेषज्ञ समिति यह सुनिश्चित करेगी कि नमूने निर्धारित प्रक्रिया के तहत एकत्र किए जाएं और उनकी जांच मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में कराई जाए. रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया जाए कि यदि किसी क्षेत्र में प्रदूषण पाया जाता है तो उसका स्तर क्या है और उससे स्थानीय आबादी पर किस प्रकार का प्रभाव पड सकता है.भोपाल गैस त्रासदी विश्व की सबसे बडी औद्योगिक दुर्घटनाओं में गिनी जाती है. वर्ष १९८४ में हुई इस त्रासदी के बाद हजारों लोगों की जान गई थी और बडी संख्या में लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हुए थे. इसके बाद से यूनियन कार्बाइड संयंत्र परिसर में मौजूद रासायनिक अपशिष्ट और उससे संभावित पर्यावरणीय प्रदूषण को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं. विशेष रूप से भूजल प्रदूषण का मुद्दा लंबे समय से न्यायालय और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के समक्ष विचाराधीन रहा है.सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता खालिद नूर फखरुद्दीन ने पक्ष रखा. उन्होंने अदालत को बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं और कई स्थानों पर भूजल की गुणवत्ता को लेकर गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं. दूसरी ओर मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ सेठ ने न्यायालय के समक्ष मंडल का पक्ष प्रस्तुत किया. हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि एमपीपीसीबी विशेषज्ञ समिति का गठन कर जल्द से जल्द नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू करे और वैज्ञानिक परीक्षण पूरा कर १३ अगस्त तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करे. रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अदालत यह तय करेगी कि आगे किन अतिरिक्त कदमों की आवश्यकता है और यदि भूजल प्रदूषण की पुष्टि होती है तो प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या निर्देश जारी किए जाएं. अदालत ने मामले की अगली सुनवाई ३ सितंबर को निर्धारित की है. उस दिन विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी और आवश्यकता पडने पर आगे के निर्देश जारी किए जाएंगे. हाई कोर्ट के इस आदेश को भोपाल गैस त्रासदी से जुडे पर्यावरणीय मुद्दों की निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण से जुडे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी.

स्वतन्त्रता आंदोलन में उग्रवाद के प्रणेता लोकमान्य तिलक

बीसवीं सदी के प्रारम्भ में भारतीय स्वतन्त्रता के आन्दोलन में एक मंच के रूप में कार्यरत कांग्रेस में स्पष्टतः दो गुट बन गये थे। एक नरम तो दूसरा गरम दल कहलाता था। पहले के नेता गोपाल कृष्ण गोखले थे, तो दूसरे के लोकमान्य तिलक। इतिहास में आगे चलकर लाल-बाल-पाल नामक जो त्रयी प्रसिद्ध हुई, उसके बाल यही बाल गंगाधर तिलक थे, जो आगे चलकर लोकमान्य तिलक के नाम से प्रसिद्ध हुए।लोकमान्य तिलक का जन्म २३ जुलाई, १८५६ को रत्नागिरी, महाराष्ट्र के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनकी रुचि सामाजिक कार्यों में थी। वे भारत में अंग्रेजों के शासन को अभिशाप समझते थे तथा इसे उखाड फेंकने के लिए किसी भी मार्ग को गलत नहीं मानते थे। इन विचारों के कारण पूना में हजारों युवक उनके सम्पर्क में आये। इनमें चाफेकर बन्धु प्रमुख थे। तिलक जी की प्रेरणा से उन्होंने पूना के कुख्यात प्लेग कमिश्नर रैण्ड का वध किया और तीनों भाई फाँसी चढ गये।सन १८९७ में महाराष्ट्र में प्लेग, अकाल और भूकम्प का संकट एक साथ आ गया। लेकिन दुष्ट अंग्रेजों ने ऐसे में भी जबरन लगान की वसूली जारी रखी। इससे तिलक जी का मन उद्वेलित हो उठा। उन्होंने इसके विरुद्ध जनता को संगठित कर आन्दोलन छेड दिया। नाराज होकर ब्रिटिश शासन ने उन्हें १८ मास की सजा दी। तिलक जी ने जेल में अध्ययन का क्रम जारी रखा और बाहर आकर फिर से आन्दोलन में कूद गये। तिलक जी एक अच्छे पत्रकार भी थे। उन्होंने अंग्रेजी में 'मराठा' तथा मराठी में 'केसरी' साप्ताहिक अखबार निकाला। इसमें प्रकाशित होने वाले विचारों से पूरे महाराष्ट्र और फिर देश भर में स्वतन्त्रता और स्वदेशी की ज्वाला भभक उठी। युवक वर्ग तो तिलक जी का दीवाना बन गया। लोगों को हर सप्ताह केसरी की प्रतीक्षा रहती थी। अंग्रेज इसके स्पष्टवादी सम्पादकीय आलखों से तिलमिला उठे। बंग-भंग के विरुद्ध हो रहे आन्दोलन के पक्ष में तिलक जी ने खूब लेख छापे। जब खुदीराम बोस को फाँसी दी गयी, तो तिलक जी ने केसरी में उसे भावपूर्ण श्रधांजलि दी।अंग्रेज तो उनसे चिढे ही हुए थे। उन्होंने तिलक जी को कैद कर छह साल के लिए बर्मा की माण्डले जेल में भेज दिया। वहाँ उन्होंने 'गीता रहस्य' नामक ग्रन्थ लिखा, जो आज भी गीता पर एक श्रेष्ठ टीका मानी जाती है। इसके माध्यम से उन्होंने देश को कर्मयोग की प्रेरणा दी।तिलक जी समाज सुधारक भी थे। वे बाल-विवाह के विरोधी तथा विधवा-विवाह के समर्थक थे। धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में वे सरकारी हस्तक्षेप को पसन्द नहीं करते थे। उन्होंने जनजागृति के लिए महाराष्ट्र में गणेशोत्सव व शिवाजी उत्सव की परम्परा शुरू की, जो आज विराट रूप ले चुकी है।स्वतन्त्रता आन्दोलन में उग्रवाद के प्रणेता तिलक जी का मानना था कि स्वतन्त्रता भीख की तरह माँगने से नहीं मिलेगी। अतः उन्होंने नारा दिया - स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम उसे लेकर ही रहेंगे।वे वृद्ध होने पर भी स्वतन्त्रता के लिए भागदौड में लगे रहे। जेल की यातनाओं तथा मधुमेह से उनका शरीर जर्जर हो चुका था। मुम्बई में अचानक वे निमोनिया बुखार से पीडति हो गये। अच्छे से अच्छे इलाज के बाद भी वे सँभल नहीं सके और एक अगस्त, १९२० को मुम्बई में ही उन्होंने अन्तिम साँस ली।

छात्रों के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट परिसर में गूंजा संविधान का प्रस्तावना पाठ, वकीलों ने न्याय की उठाई मांग

नई दिल्ली. (एजें) २३ जुलाई :नीट पेपर लीक के आरोपों और छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत के परिसर में गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ताओं और वकीलों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया. 'सेव डेमोक्रेसी, सेव कॉन्स्टिट्यूशन' अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में वकीलों ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों के प्रति एकजुटता जताते हुए उनके लिए न्याय की मांग की. कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर सहित बडी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए.सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि छात्रों के संवैधानिक अधिकारों और न्याय की मांग का समर्थन करना है. संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई.वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि यह मुद्दा छात्रों के अधिकारों से जुडा है और वकीलों का दायित्व है कि वे न्याय की मांग कर रहे छात्रों के साथ खडे हों. उन्होंने कहा कि वे अपने लिए नहीं, बल्कि छात्रों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से वहां एकत्र हुए हैं.पूर्व दिल्ली हाई कोर्ट न्यायाधीश और वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर ने कहा कि देशभर में अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे छात्रों के समर्थन में विधि समुदाय एकजुट हुआ है. उन्होंने कहा कि सभी छात्रों को न्याय मिलना चाहिए और इसी उद्देश्य से अधिवक्ता इस पहल में शामिल हुए हैं.अधिवक्ता अभय सिंह ने कहा कि बार के सदस्य छात्रों के साथ हुई कथित अन्यायपूर्ण कार्रवाई और पुलिस की कथित सख्ती का विरोध करते हैं. उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए उपलब्ध सभी कानूनी उपाय अपनाए जाएंगे. उनका कहना था कि संविधान की प्रस्तावना का पाठ इसी संदेश के साथ शुरू किया गया कि कानून और संविधान सर्वोच्च हैं.इस बीच छात्रों के आंदोलन का समर्थन कर रहे संगठन सीजेपी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया. संगठन ने अपने संदेश में कहा कि छात्रों के समर्थन में आगे आने वाले सभी अधिवक्ताओं का धन्यवाद और यह समर्थन न्याय की लडाई को मजबूती देगा.नीट पेपर लीक और छात्रों के प्रदर्शन को लेकर जारी घटनाक्रम के बीच सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम चर्चा का विषय बना रहा. इसे छात्रों के अधिकारों, संवैधानिक मूल्यों और न्याय की मांग के समर्थन में विधि समुदाय की एक **महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है.**

भाषा शहीद जगन-यीशु की स्मृति में हाइलाकांदी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

प्रे.सं. हाइलाकांदी, २३ जुलाई: मातृभाषा के अधिकार की रक्षा के आंदोलन में शहीद हुए जगन-यीशु की स्मृति में हाइलाकांदी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। २१ जुलाई १९८६ को तत्कालीन करीमगंज और वर्तमान श्रीभूमि जिले में मातृभाषा के अधिकार की मांग को लेकर हुए आंदोलन के दौरान पुलिस की गोली से शहीद हुए दो युवा्जगन्मय देव (जगन) और दिव्येंदु दास (यीशु)को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।शहर के स्थानीय शहीद वेदी पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि मातृभाषा की गरिमा और अधिकार की रक्षा के संघर्ष में जगन और यीशु का बलिदान इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उनकी शहादत की गाथा और मातृभाषा के अधिकार का संदेश नई पीढी तक पहुंचाना आज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने बंगला भाषा पर किसी भी प्रकार के आक्रमण के विरुद्ध सजग रहने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि के बाद उपस्थित लोगों ने 'भाषा शहीद अमर रहें' और 'जगन-यीशु अमर रहें' के नारे लगाए।पूर्व मंत्री गौतम राय जिले से बाहर होने के कारण अपने प्रतिनिधि के माध्यम से पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।बंग साहित्य संस्कृति सम्मेलन की जिला समिति के उपाध्यक्ष सुरजीत देव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जिला समिति की उपाध्यक्ष माधवी शर्मा, नगर क्षेत्रीय समिति के उपाध्यक्ष सुनिर्मल दास, साहित्य संपादिका पूर्णिमा रानी दे, सांस्कृतिक संपादिका तापसी पाल, कोषाध्यक्ष कबीर मजूमदार, वरिष्ठ नागरिक संस्था के अध्यक्ष नारायण देवनाथ, सुशील पाल, नीहारेंदु चौधरी सहित समाज के विभिन्न वर्गों के विशिष्ट नागरिक, संगठनकर्ता और जागरूक लोग उपस्थित थे।

छह वर्ष बाद अरुणाचल प्रदेश में फिर खुला पांगसाउ पास सीमा हाट, भारत-म्यांमार सीमा व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

ईटानगर, २३ जुलाई: अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले स्थित पांगसाउ पास सीमा हाट छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सोमवार को पुनः खोल दिया गया। इसके साथ ही भारत-म्यांमार सीमा पर सीमा पार व्यापार, पर्यटन तथा आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित यह सीमा हाट अब प्रत्येक माह की १०, २० और ३० तारीख को संचालित किया जाएगा।हाट के पुनः खुलने से दोनों देशों की सीमा से लगे क्षेत्रों के लोगों के बीच पारंपरिक व्यापारिक संबंधों को फिर से बढ़ावा मिलेगा। साथ ही विनियमित सीमा पार व्यापार को प्रोत्साहन मिलने के अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।सीमा हाट के पुनः संचालन के पहले दिन नामपोंग के विधायक लैइसम सिमाई ने हाट का दौरा किया और व्यापारियों, स्थानीय लोगों तथा प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सीमा हाट के फिर से शुरू होने से भारत और म्यांमार के बीच संबंध और मजबूत होंगे तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।लैइसम सिमाई ने कहा, 'यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नामपोंग स्थित पांगसाउ पास सीमा हाट छह वर्षों के अंतराल के बाद आज पुनः शुरू हो गया है।' उन्होंने बताया कि यह बाजार महीने में तीन दिन संचालित होगा और दोनों देशों के बीच सीमा पर्यटन तथा व्यापारिक संबंधों को नया प्रोत्साहन देगा। उन्होंने सभी लोगों का इस सीमा हाट में स्वागत भी किया।बंद होने से पहले पांगसाउ पास सीमा हाट स्थानीय व्यापार का एक प्रमुख केंद्र था, जहां भारत और म्यांमार के सीमावर्ती गांवों के लोग स्थानीय कृषि उत्पाद, पारंपरिक हस्तशिल्प तथा दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं का विनिमय (बार्टर प्रणाली) और विनियमित व्यापार के माध्यम से आदान-प्रदान करते थे।सीमा हाट के पुनः खुलने का स्थानीय समुदाय के नेताओं और व्यापारियों ने स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे न केवल स्थानीय लोगों की आजीविका को नया सहारा मिलेगा, बल्कि ऐतिहासिक व्यापार मार्ग और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को देखने के इच्छुक पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होगी, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

नि:शुल्क नामांकन की मांग को लेकर एरालिगुल दीनदयाल कॉलेज में छात्रों का जोरदार आंदोलन

प्रे.सं.श्रीभूमि, २३ जुलाई। श्रीभूमि जिले के एरालिगुल दीनदयाल कॉलेज में नि:शुल्क नामांकन की मांग को लेकर छात्रों के आह्वान पर गुरुवार को व्यापक विरोध-प्रदर्शन किया गया। करीब तीन घंटे तक चले इस शांतिपूर्ण आंदोलन में बडी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।प्रदर्शनकारी छात्रों ने नि:शुल्क नामांकन लागू करने, शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करने तथा आर्थिक रूप से कमजोर और सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की आर्थिक समस्याओं को गंभीरता से लेने की मांग की।आंदोलन की गंभीरता को देखते हुए निलामबाजार सर्किल अधिकारी मौके पर पहुंचे। बाद में उन्होंने आंदोलनरत छात्रों के प्रतिनिधियों से औपचारिक रूप से ज्ञापन स्वीकार किया और उनकी मांगों को संबंधित उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।ज्ञापन सौंपने के बाद छात्रों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक वे लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपना आंदोलन जारी रखेंगे।लगभग तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में काफी हलचल रही। प्रशासन के हस्तक्षेप और ज्ञापन स्वीकार किए जाने के बाद स्थिति शांत हुई और आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की गई।

दुमदुमा सुन्दरकाण्ड परिवार की प्रथम वार्षिक महोत्सव ४ अगस्त को

दुमदुमा प्रेरणा भारती २३ जुलाई : दुमदुमा चाय नगरी के धार्मिक संस्था श्री सुन्दरकाण्ड परिवार दुमदुमा की प्रथम वार्षिक महोत्सव ४ अगस्त मंगलवार को दुमदुमा मारवाडी पंचायती भवन में मनाया जाएगा । इसमें सालासर धाम से लाई गई बालाजी महाराज की प्रतिमा मुख्य आकर्षण रहेगी।इस दौरान बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा । छप्पन भोग, बालाजी महाराज की ज्योत, महाआरती, अमृत भण्डारा का भी आयोजन किया जाएगा।शाम ४:०१ बजे से पूजन प्रारंभ किया जाऐगा ५:०१ दीप प्रज्वलन किया जाऐगा ५: ३१ बजे से भजनामृत संगीतमय सुन्दरकाण्ड का पाठ शुभारंभ किया जाएगा । रात्रि ९ : ३१ बजे से भक्ति गणों के बीच अमृत भण्डारा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा ।श्री सुन्दरकाण्ड परिवार का गठन २०२५ के सावन महीने में अंचल के साथ बालाजी के भक्तो द्वारा शुभारंभ किया गया। बालाजी महाराज की कृपा से अब इस परिवार मे कुल ३५ सदस्य सक्रिय रूप से जुड चुके हैं । लगातार एक वर्ष से श्री सुन्दरकाण्ड परिवार हर मंगलवार को हनुमान भक्तों के निवास पर साप्ताहिक संगीतमय सुन्दरकाण्ड का पाठ कर रही है। श्री सुन्दरकाण्ड परिवार न केवल दुमदुमा अंचल में बल्कि तिनसुकिया जिले के बाहर अन्य जिलों में भी सुंदर काण्ड पाठ का सफल आयोजन कर चुकी है । इस धार्मिक संस्था द्वारा आयोजित श्री सुन्दरकाण्ड परिवार के प्रथम वार्षिक महोत्सव में तिनसुकिया जिला समेत डिब्रुगढ़, शिवसागर, जोरहाट के भक्त गणों को सपरिवार सादर आमंत्रित किया गया है।

असम की अदालतों में ५.७५ लाख से अधिक मामले लंबित, न्यायिक अधिकारियों के ४० पद रिक्त

गुवाहाटी, २३ जुलाई: असम सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि राज्य की विभिन्न अदालतों में ५.७५ लाख से अधिक मामले लंबित हैं, जबकि न्यायिक अधिकारियों के ४० पद अभी भी रिक्त हैं। इन रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है।विधानसभा में विधायक जाकिर हुसैन सिकदर के एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में विधि एवं न्याय मंत्री सुशांत बरगोहाई ने बताया कि राज्य में न्यायिक अधिकारियों के कुल ४८६ स्वीकृत पद हैं। इनमें से ४४६ पदों पर नियुक्ति हो चुकी है, जबकि शेष ४० रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्याप्त आधारभूत संरचना के अभाव में राज्य की कुछ अदालतें अभी भी पूरी तरह कार्यरत नहीं हो सकी हैं।मंत्री ने सदन को बताया कि ३१ मई २०२६ तक राज्य की विभिन्न अदालतों में कुल ५,७५,५४१ मामले लंबित थे। इनमें १,१४,२९६ दीवानी (सिविल) मामले तथा ४,६१,२४५ आपराधिक (क्रिमिनल) मामले शामिल हैं।सुशांत बरगोहाई ने पिछले पांच वर्षों में अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा निपटाए गए मामलों का विवरण भी प्रस्तुत किया। वर्ष २०२१ में ३५,५३६ दीवानी तथा १,४६,८१० आपराधिक मामलों का निस्तारण किया गया। वर्ष २०२२ में ४५,१८४ दीवानी और २,२६,१७५ आपराधिक मामले निपटाए गए।वर्ष २०२३ में अदालतों ने ४५,५५५ दीवानी तथा ३,२७,७२८ आपराधिक मामलों का निस्तारण किया। वर्ष २०२४ में ५०,४८३ दीवानी और २,३३,३९९ आपराधिक मामलों का समाधान किया गया, जबकि २०२५ में ५३,३४८ दीवानी तथा १,९५,६३६ आपराधिक मामलों का निपटारा हुआ।विधानसभा को यह भी बताया गया कि असम में वर्तमान में ४० फास्ट ट्रैक न्यायालय और ६ विशेष न्यायालय कार्यरत हैं। हालांकि, राज्य में अभी तक कोई वाणिज्यिक न्यायालय (कॉमर्शियल कोर्ट) स्थापित नहीं किया गया है।महिलाओं और बच्चों से जुडे मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए सरकार ने १८१ महिला हेल्पलाइन, सखी वन स्टॉप सेंटर, पॉक्सो न्यायालय, बाल-अनुकूल पुलिस केंद्र, शिशु मित्र हेल्पलाइन तथा ई-कोर्ट परियोजना जैसी कई पहलें राज्यभर में लागू किए जाने की जानकारी दी।मंत्री ने यह भी बताया कि पिछले पांच वर्षों में लोक अदालतों के माध्यम से ५,७१,२२६ मामलों का निस्तारण किया गया, जिससे लंबित मामलों के बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण सहायता मिली है।सरकार ने सदन को यह भी अवगत कराया कि १३ जुलाई २०२६ तक असम की विभिन्न जेलों में ७,९०४ विचाराधीन कैदी थे। इनमें से १,०४९ कैदी ऐसे हैं, जो लंबे समय से अपने मुकदमों के पूरा होने की प्रतीक्षा में न्यायिक हिरासत में हैं।

राताबाडी में युवक की हत्या का आरोप, तीन लोगों के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत

प्रेरणा संवाददाता, राताबाडी, २३ जुलाई: श्रीभूमि जिले के राताबाडी थाना क्षेत्र के चनामारी इलाके में एक युवक की संदिग्ध हत्या को लेकर सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान साहिद हुसैन (लगभग २९ वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक के पिता मबत अली ने घटना के संबंध में तीन लोगों के खिलाफ राताबाडी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पूर्व परिचित कुछ लोगों ने कथित रूप से साजिश के तहत साहिद हुसैन को उसके घर से बुलाकर ले गए और बाद में उसकी हत्या कर दी। शिकायत के अनुसार, २१ जुलाई की दोपहर आरोपी साहिद को मोटरसाइकिल सहित घर से लेकर गए थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया।बाद में साहिद को एक सुनसान स्थान पर गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया। परिजनों का आरोप है कि धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या की गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना के बाद से मृतक का मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी गायब है।मृतक के पिता ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कडी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना को लेकर इलाके में तनाव और च?र्चा का माहौल है। राताबाडी पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है तीन घंटे के प्रदर्शन के बाद प्रशासन का हस्तक्षेप, ज्ञापन स्वीकार

कोकराझार में बीईईओ और सीआरसीसी के लिए जनगणना २०२७ (चरण-ख) पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रे.सं. कोकराझार, २३ जुलाई: जिला प्रशासन, कोकराझार द्वारा आगामी डिजिटल जनगणना अभ्यास की तैयारी को मजबूत करने के लिए साइंस कॉलेज, कोकराझार में ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों (बीईईओ) और क्लस्टर संसाधन केंद्र समन्वयकों (सीआरसीसी) के वास्ते जनगणना २०२७ (चरण-ख) पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ?इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कोकराझार के जिला आयुक्त, पंकज चक्रवती ने की। उन्होंने जनगणना २०२७ के चरण-ख के तहत प्रक्रियाओं, भूमिकाओं और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की स्पष्ट समझ के साथ प्रमुख शैक्षणिक पदाधिकारियों को सुसज्जित करने में इस जागरूकता पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। ?प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, जिला आयुक्त ने शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच परिचालन दिशानिर्देशों का प्रचार-प्रसार करने, जमीनी स्तर पर जागरूकता पैदा करने और जनगणना प्रक्रिया के दौरान प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने में बीईईओ और सीआरसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग आवश्यक सहायता प्रदान करके और जमीनी स्तर के कर्मियों के साथ सुचारू संचार सुनिश्चित करके जनगणना के सफल कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ?उन्होंने आगे इस बात पर बल दिया कि जनगणना २०२७ के निर्बाध निष्पादन और पूरे जिले में सटीक जमीनी स्तर पर डेटा संग्रह सुनिश्चित करने में शैक्षणिक अधिकारियों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सहायक होगी। ?इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को डिजिटल जनगणना प्रक्रिया, प्रशासनिक प्रोटोकॉल और जनगणना २०२७ के चरण-ख के सफल संचालन का समर्थन करने में उनकी जिम्मेदारियों के बारे में संवेदनशील बनाना था। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ पूरे जिले के ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी और क्लस्टर संसाधन केंद्र समन्वयक उपस्थित रहे।

फैशन/ब्यूटी

कैसे हटाएं मेकअप

अगर मेकअप न हटाया जाए तो वह त्वचा के छिद्र को बंद कर देता है और मेकअप में मौजूद केमिकल त्वचा को क्षति पहुंचाते हैं। इसलिए सोने से पहले अपना मेकअप उतारना न भूलें। आपकी मेकअप किट में अच्छी क्वॉलिटी का मेकअप रिमूवर होना बहुत जरूरी है। आंखें काफी सेंसिटिव होती हैं और उन्हें अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। फेशियल मेकअप जैसे फाउंडेशन और लिपस्टिक, वॉटर बेस्ट मेकअप क्लींजर से आसानी से साफ हो जाते हैं, लेकिन आई मेकअप जैसे-लाइनर, काजल और मस्कारा को हटाने के लिए अलग रिमूवर की जरूरत होती है। इसके लिए मेकअप रिमूवर सलूशन में अधिक ऑयल की जरूरत होती है।

आई मेकअप रिमूवर

यह फेशियल मेकअप रिमूवर से अधिक मृदु होता है। इसके लिए बेबी ऑयल और बेबी लोशन भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप मेकअप का प्रयोग नहीं करती हैं तब भी त्वचा को नियमित रूप से माइल्ड क्लींजर

से साफ करना जरूरी है। ताकि धूल-मिट्टी व गंदगी साफ हो जाए। ऐसा करने से त्वचा में किसी प्रकार की जलन, एक्ने और पिंपल्स नहीं होने पाते।

1. आंखों का मेकअप हटाने के लिए हाथ साफ होने चाहिए। लाइनर और मस्कारा हटाते समय हलके हाथों से साफ करें।

2. आई मेकअप हटाने के लिए होममेड क्लींजर इस प्रकार बनाएं- कैस्टर ऑयल+ऑलिव ऑयल+कैनोला ऑयल की बराबर मात्रा लेकर एक साथ मिलाएं फिर टिश्यू पेपर या कॉटन बॉल में थोड़ा सा मिश्रण लेकर आंखों को साफ करें।

मेकअप रिमूवर

1. मेकअप हटाने के लिए जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करें उसे कॉटन बॉल की सहायता से ही करें। चेहरे और गर्दन को थपथपाते हुए साफ करें। अगर एक बार ऐसा करने से मेकअप साफ न हो तो दोबारा कॉटन बॉल गीला करके चेहरा साफ करें।

2. आप चाहें तो घर पर एक अच्छा इंस्टैंट मेकअप रिमूवर बना सकती हैं, जिसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा। 2 चम्मच गुलाबजल में कुछ बूंदें बेबी ऑयल और 3-4 बूंद नीबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन बॉल में लगाकर चेहरा साफ करें। यह छिद्र को साफ करता है, मेकअप को अच्छी तरह हटाता और त्वचा की धूल-गंदगी भी बारीकी से साफ कर देता है।

3. ताजे दूध में थोड़ा सा नीबू का रस मिलाकर क्लींजर के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। यह चेहरा साफ जरूर करता है, लेकिन ऑयली स्किन के लिए अच्छा उपाय नहीं है। ऑयली स्किन के लिए इसमें थोड़ा दही का पानी भी मिलाया जा सकता है।

4. बाजार में बहुत तरह के क्लींजर, मेकअप रिमूवर उपलब्ध हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें, उसमें एल्कोहॉल न हों। एल्कोहॉल त्वचा के लिए नुकसानदेह होता है। यह फेश लुक देते हैं, लेकिन कुछ समय बाद त्वचा को रुखा बना देते हैं।

5. मेकअप हटाने के बाद त्वचा को टोन अप करने के लिए टोनर लगाएं। उसके बाद मॉयस्चुराइजर लगाएं, ताकि त्वचा की कुदरती नमी बरकरार रहे। नियमित क्लीनिंग, टोनिंग और मॉयस्चराइजिंग से त्वचा किसी भी प्रकार की समस्या से दूर रहती है और लंबे समय तक स्वस्थ रहती है। इसे अपना रुटीन बना लें ताकि त्वचा ताउम्र जवां और स्वस्थ बनी रहे।

अब डैंड्रफ रहे काबू में

बारिश के मौसम में उमस और पसीने से बालों में चिपचिपाहट हो जाती है। रूसी एक प्रकार की निर्जीव त्वचा है, जो बालों की जड़ों के आसपास जमा हो जाती है। इसलिए अपने बालों को साफ रखें और महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करे। ताकि सिर की त्वचा से आसानी से रूसी बाहर निकल जाए। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे है, उपयोगी टिप्स।

1. बालों में प्रतिदिन ब्रश करने और मालिश करने से डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि इन उपचारों से रक्तसंचार तीव्र गति से होता है और मृत त्वचा निकल जाती है।

2. गर्म ऑलिव ऑयल में कुछ बूंदें अदरक के रस की डालकर इससे सिर पर कुछ देर मालिश करे। आधे घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू कर लें।

3. बालों में रूसी होने से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। ऐसे में प्याज का रस लगाएं। आधा घंटे बाद एक मग में नीबू की कुछ बूंदें डाल कर उस पानी से धोएं।

4. नीम की पत्तियों का रस नीबू के रस में मिलाकर सिर में लगभग तीस मिनट तक लगाएं। फिर शैंपू कर लें या फिर शैंपू करने के बाद सिरके और नीबू का रस बराबर मात्रा में लेकर 5-10 मिनट तक के लिए सिर में लगा रहने दें। उसके बाद बालों को धो लें।

5. जोजोबा ऑयल और कोकोनट ऑयल को मिलाकर उंगली के पोरों से धीरे-धीरे सिर की त्वचा पर मालिश करे। इसके बाद गर्म पानी में भीगे तौलिये को निचोड़कर थोड़ी देर तक सिर पर लपेटकर रखें। आधे घंटे बाद शैंपू करे।

जब चुनें शैंपू

1. जिस शैंपू से ज्यादा झाग न निकले उसे फेंकें नहीं, क्योंकि बालों की अच्छी सफाई के लिए यह जरूरी नहीं है कि शैंपू से खूब सारा झाग निकले। सुगंध वाले शैंपू इस्तेमाल करना भी कोई जरूरी नहीं है। ऐसा शैंपू चुनें, जो आपके बालों की किस्म के मुताबिक हो और बालों को सूट भी करे।

2. अगर बाल पतले और रूखे या सामान्य है तो ऐसा शैंपू प्रयोग करे जो बालों को वॉल्यूम दें, बाउंस करे और संवारने में आसान बनाए।

3. शैंपू के लेबल पर ध्यान दें अगर उसमें एक्स्ट्रा बॉडी शैंपू छपा है तो यह फॉर्मूला बालों पर एक परत बना देगा जिससे बालों को बॉडी मिलेगी और वे घने नजर आएंगे। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि एक अच्छे ब्रैंड का शैंपू इस्तेमाल करे।

4. अगर बाल बेहद रूखे है तो ड्राई एंड डैमेज हेयर के लिए बना शैंपू इस्तेमाल करे। यह बालों के लिए जरूरी आर्द्रता के संतुलन को बनाए रखता है और सूर्य की तेज अल्ट्रावॉयलेट किरणों के दुष्प्रभाव से भी बालों को बचाता है।

5. अगर आपने अभी-अभी हेयर कलर कराया है और उसकी चमक को बरकरार रखना चाहती है तो ऐसा शैंपू इस्तेमाल करे जिसमें अल्ट्रावॉयलेट फिल्टर्स हों और माइल्ड क्लींजिंग भी करे, ताकि आपके बालों को अल्ट्रावॉयलेट किरणों से नुकसान न पहंचे।

6. अगर आप बहुत सारे स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करती है तो आपको क्लैरीफाइंग शैंपू का प्रयोग करना चाहिए, जो आपके बालों की डीप क्लींजिंग करता है और स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए गए केमिकल के असर को भी कम करता है।

7. अगर आप स्विमिंग करती है तो डीटॉक्सीफाइंग शैंपू का इस्तेमाल करे जो क्लोरीन और कॉपरयुक्त पानी के प्रभाव को दूर कर देता है।

व्यक्तित्व मे निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते है, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े है और पीले भी पड़ गए है। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

ध्यान दें शुरू से

दंत चिकित्सक डॉ.ज्योति कपाड़िया के अनुसार जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते है, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते है और उनकी जगह नए दांत आते-जाते है। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खास तौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करे। कुछ लोग समझते है कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटमिंस का करे भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों को उंगलियों से हलकी -हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते है और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटमिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटमिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करे कैविटी

डॉ.ज्योति के अनुसार यह दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुसकान के लिए

ग्रूमिंग एक्सपर्ट और सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ.ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, %आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुसकान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुसकान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

काया क्लीनिक की डॉ.चारुलता कहती है, चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुसकान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुसकान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है।

एक प्यारी सी मुसकान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

प्रेग्नेंसी में सुपरफूड की तरह काम करता है शरीफा

शिशु का होता है तेज दिमाग

हर कोई चाहता है कि उसका बच्चा तेज दिमाग के साथ स्वस्थ रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ खास चीजों खाई जाएं। शरीफा ऐसा ही फल है जो आपके शिशु का मानिसिक और शारीरिक विकास बेहतर करता है। शरीफा विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स बढ़ाते हैं इम्युनगर्भ में पल रहे शिशु के लिए अमृत समान होता है। शरीफा पोषक तत्वों का खजाना होता है। खासतौर से अगर इसे प्रेग्नेंसी में खाया जाए तो मां ही नहीं गर्भ में पल रहे शिशु के भी सारे पोषण की जरूर पूरी होती है। हालांकि शरीफा कई गभीर रोगों में भी बहुत फायदेमंद होता है। हाई और लो हाई बीपी, डायबिटीज, हृदय रोग के जोखिमों से बचाने के साथ ये इम्युन सिस्टम को भी मजबूत बनाता है, इससे शरीर को रोगों से लड़ने कि अपार शक्ति मिलती है।

विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर होने के कारण ये एलर्जी और कैंसर के जोखिम से भी बचाता है। ये शरीर को मुक्त कणों या फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता हैं। इसमें बहुत अच्छी मात्रा में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है। शरीफा में विटामिन ए भी होता है जो आंखों के लिए बहुत अच्छा होता है। इतना ही नहीं अपच-गैस आदि में भी इसका सेवन लाभप्रद होता है। इसे किसी भी रूप में खाया जा सकता है। आप चाहें इसका स्मूदी बनाएं या शेक पीएं या साबुत खाएं।

प्रेग्नेंसी में लाभदायक

प्रेग्नेंसी में शरीफा को रोज की डाइट का हिस्सा बना लें। कम से कम तीन शरीफा रोज खाएं। ऐसा करके न केवल आप अपने बच्चे का तेजी से विकास करेंगी बल्कि इससे शिशु का मस्तिष्क और प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावी ढंग से विकसित होगा। इसे रोज खाने गर्भपात के जोखिम भी कम होते हैं और नार्मल डिलेवरी के दौरान पीड़ा भी कम होती है। ये अंदर से शरीर को मजबूत बनाता है।

हार्ट अटैक के खतरे करता है कम

शरीफे में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा बहुत होती है और ये हार्ट अटैक के जोखिमों को रोकने में बहुत मददगार होते हैं। रोज यदि इसका सेवन किया जाए तो इससे मांसपेशियों मजबूत होती हैं और दर्द में भी आराम मिलता है। विटामिन बी 6 होमोसिस्टीन संग्रह को रोकता है, जिससे हृदय रोग जैसा जोखिम कम होतें हैं।

इम्युन होता है मजबूत

रोज तीन शरीफा जरूर खाना चाहिए। इसे खाने से इम्युन जनित रोग होने की संभावना नहीं रहती है, वहीं बीमारियों से रिकवर होने में बहुत मदद मिलती है। इसे खाने से इम्युन सिस्टम बहुत मजबूत होता है जिससे शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है।

सुस्ती और थकान को करता है दूर

शरीफा खाने से न सिर्फ थकान, सुस्ती और कमजोरी दूर होती है मांसपेशियों में होने वाले दर्द से भी ये आराम दिलाता है।

डायबिटीज और ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है

यह टाइप -2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने के साथ शरीफा हाई और लो बीपी में भी फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में होता है जिससे ये दो बीमारियां कंट्रोल में रहती है।
शरीफा को रोज सुबह या दोपहर में खाना ज्यादा श्रेयस्कर होता है। कोशिश करे कि एक साथ दो शरीफा जरूर खाएं।

घनी पलकें ही नहीं दमकती, त्वचा के लिए भी फायदेमंद है एलोवेरा जेल

अगर आप अपनी लंबी घनी पलकों के साथ दमकती त्वचा का सपना देखती हैं तो एलोवेरा बिना आपकी जेब ढीली किए आपका ये सपना पूरा कर सकता है। महिलाओं की ऐसी ही सेहत और खूबसूरती से जुड़ी हर छोटी बड़ी परेशानी को ध्यान में रखते हुए वीमेन हेल्थ और केयर पर फोकस करने वाली वेलनेस साइट हेल्थ शॉट्स पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक जानते हैं आखिर कैसे एलोवेरा का उपयोग करके आप घर पर पा सकते हैं पार्लर जैसा निखार।

त्वचा का बचाव

एलोवेरा प्राकृतिक रूप से विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। एलोवेरा का नियमित इस्तेमाल त्वचा में कसावट लाने के साथ त्वचा की रंगत भी निखारता है।
कैसे करें इस्तेमाल: चेहरे को धोने के बाद रोजाना एलोवेरा रस को त्वचा पर दो बार लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

लंबी पलकों और भौंहों के लिए एलोवेरा

लंबी पलकें और घनी भौंहों की चाहत अगर आप भी रखते हैं तो आपका ये सपना एलोवेरा पूरा कर सकता है।
कैसे करें इस्तेमाल: पलकों को घना बनाने के लिए एलोवेरा जेल को रूई या मस्कारा लगाने वाली साफ छड़ी का उपयोग करते हुए पलकों और भौंहों पर लगाएं। 15 मिनट बाद इस जेल को भौंहों और पलकों से छुड़ाने के लिए एलोवेरा जेल में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिलाकर इस मिश्रण को अपनी पलकों पर लगाकर एक रूई की मदद से धीरे से पोंछ लें।

त्वचा के लिए बेहतरीन मास्क

त्वचा में कसाव लाने के लिए एलोवेरा एक बेहतरीन मास्क है। इस मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा चम्मच बेसन दो चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगा लें। अब 30 मिनट बाद चेहरे को धो लें।

मुहांसों से निजात पाने के लिए एलोवेरा जेल

अगर आप भी अक्सर मुहांसों की समस्या से परेशान रहते हैं तो अब उन्हें अलविदा कहने का समय आ गया है। मुहांसों से निजात पाने के लिए सबसे पहले 40 मिली मिनरल वाटर, तीन चम्मच एलोवेरा जेल और दो बूंद टी ट्री ऑयल लें। अब इन सभी चीजों को एक छोटी सी स्प्रे बोतल में डालकर अच्छे से हिलाते हुए मिला लें। अब चेहरे पर जिस जगह मुहांसे हैं उस जगह पर इसे स्प्रे करके इसे सूखने दें। ऐसा करते समय अपनी आंखों को बचाकर रखें।

रेसिपी

मटर कुलचा

सामग्री

■ 2 कप सूखी मटर ■ बारीक कटी 2 हरी मिर्च ■ 1 कप बारीक कटा प्याज ■ 1 कप बारीक कटा टमाटर ■ एक नीबू का रस ■ 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर ■ 2 चम्मच चाट मसाला ■ 3 चुटकी मीठा सोडा पाउडर ■ 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर ■ स्वादानुसार नमक ■ आधा कप बारीक कटा हरा धनिया

विधि

मटर को 6 से 7 घंटे पानी में भिगो दें। अब इसे प्रेशर कुकर में पानी डालकर मीठा सोडा पाउडर, हल्दी पाउडर और थोड़ा नमक मिलाकर उबाल लें। कुकर में 3-4 सीटी आने के बाद गैस धीमी कर दें और फिर 2 से 3 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कुकर का प्रेशर खत्म होने पर ही उसका ढक्कन खोलें और मटर को एक बड़ी चम्मच से अच्छी तरह चलाकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, टमाटर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर मटर में नींबू का रस मिलाकर 5 मिनट और मध्यम आंच में गैस पर रखकर पकाएं। गैस बंद कर दें, चटपटे मटर तैयार है, कुलचे के साथ इसे सर्व करें।

रेसिपी

मॉलिगेटॉनी सूप

सामग्री

■ 2 टीस्पून कुकिंग ऑयल ■ 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ ■ ½ कप लाल मसूर की दाल ■ ¼ कप चावल ■ 2 टुकड़ों में कटी गाजर ■ 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स ■ 2 बारीक कटे टमाटर ■ 1 बारीक कटा सेब ■ ½ कप बारीक कटा प्याज ■ 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट ■ गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

विधि

2 टीस्पून कुकिंग ऑयल, 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ, ½ कप लाल मसूर की दाल, द कप चावल, 2 टुकड़ों में कटी गाजर, 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स, 2 बारीक कटे टमाटर, 1 बारीक कटा सेब, ½ कप बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट, गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 5019

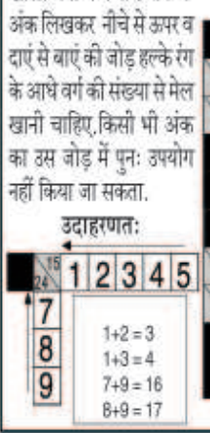

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो -5018 का हल

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?
नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

□ □ □

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?
युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

□ □ □

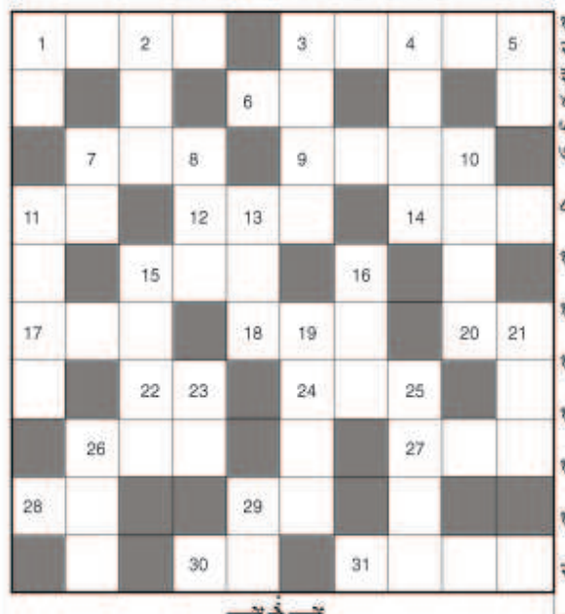

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।
जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-5019

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरुख, माधुरी की 'अठ्ठ बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरुख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरुण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरुणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पिया बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

फिल्म वर्ग पहेली-5018

सूडोकु 5019

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5018 । हल

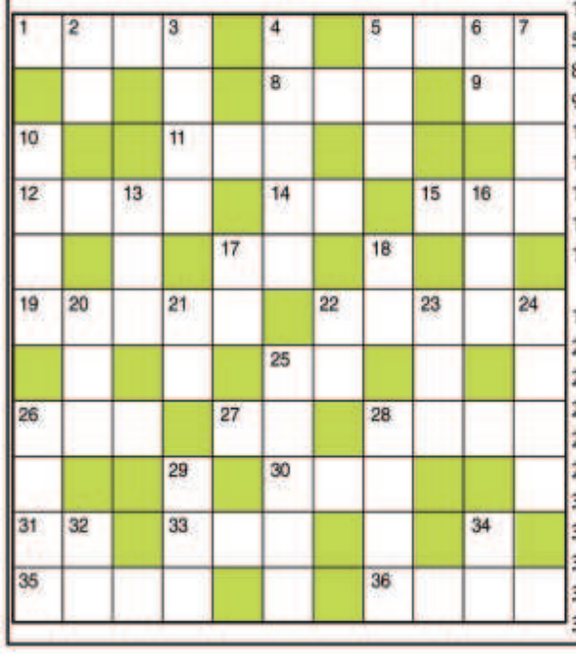

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 5019

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -5018 का हल

एनिमेशन में बनाएं कॅरियर

अगर आप किसी क्रिएटिव फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो आप एनिमेशन इंडस्ट्री ज्वॉइन कर सकते हैं। इस फील्ड में क्रिएटिविटी, पैसा और शानदार कॅरियर सब कुछ है। पिछले पांच सालों में एनिमेशन इंडस्ट्री के विकास की रफ्तार काफी तेज हुई है। अब इसकी टेक्नोलॉजी में भी काफी सुधार होता जा रहा है। आज एनिमेशन प्रोफेशनल्स को काफी अच्छा पैकेज मिल रहा है।

आज थ्री डी एनिमेशन की क्वॉलिटी की वजह से इसके पसंद करने वाले लोगों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। अच्छे संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने के बाद स्टूडेंट्स की मांग विदेशों में भी रहती है। अगर आप एनिमेशन का कोर्स करने के लिए किसी संस्थान को ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो उसके सिलेबस और प्रैक्टिकल लैब के बारे में जरूर जानें। क्योंकि इसकी पढ़ाई में थ्योरी से अधिक प्रैक्टिकल क्लासेस मायने रखते हैं।

काम का स्वरूप

थ्री-डी एनिमेशन पूरी तरह क्रिएटिविटी और टीम वर्क पर आधारित काम है। एनिमेशन बहुत बड़ा फील्ड है। इसमें आप कई लेवल पर काम कर सकते हैं। किसी थ्री-डी एनिमेशन को बनाने में कई लोगों का हाथ होता है। इसके लिए कुछ जरूरी चीज हैं, वे हैं- कहानी, कहानी के कैरक्टर, एनिमेशन, स्टोरी बोर्ड एनिमेशन, लाइटिंग, टैक्सचर, डायनामिक्स, वॉइस रिकॉर्डिंग, डिजिटल एडिटिंग। इसके बाद ही एनिमेशन फिल्म तैयार होती है।

दिखाएं अपना कौशल

एनिमेटर के कई कार्य होते हैं। जैसे मॉडलर,ले आउट आर्टिस्ट, क्लीनअप आर्टिस्ट, स्कैनर ऑपरेटर, डिजिटल इंक और पेंट आर्टिस्ट, कम्पोजिटर, की फ्रेम एनिमेटर, बैकग्राउंड आर्टिस्ट आदि। एसे में यह जरूरी हो जाता है कि अगर आप क्रिएटिव हों, तब ही इस कोर्स को ज्वॉइन करें।

योग्यता और कोर्स

एनिमेशन में कॅरियर बनाने के लिए आप 12वीं के बाद डिप्लोमा या एनिमेशन में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम के लिए किसी भी विषय से ग्रैजुएट होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होनी चाहिए। एनिमेशन और मल्टीमीडिया के फील्ड में कई डिप्लोमा और डिग्री कोर्सेज कराए जाते हैं, जिनके अंतर्गत एनिमेशन से जुड़ी हुई तकनीकी जानकारी और कई चीजें सिखाई जाती है। इनमें प्रमुख कोर्सेज टेडिशनल एनिमेशन, स्टॉप मोशन एनिमेशन, रोटोस्कोपिंग, कंप्यूटर जनरेटेड थ्रीडी और टू डी एनिमेशन, क्लेमेशन, फोटो शॉप, ड्राइंग आदि शामिल हैं।

अवसर हैं अपार

आ प एनिमेशन फील्ड में मॉडलर, ले आउट आर्टिस्ट, क्लीन अप आर्टिस्ट, स्कैनर ऑपरेटर, डिजिटल इंक और पेंट आर्टिस्ट, कंपोजिटर, की फेम एनिमेटर, बैकग्राउंड आर्टिस्ट के तौर पर काम कर सकते हैं। आप अपनी योग्यता के आधार पर इनमें से कुछ भी चुन सकते हैं। एनिमेशन का दायरा काफी बड़ा है, इसलिए आपके पास चुनने के लिए कई सारे ऑप्शन मौजूद रहते हैं। इस फील्ड में जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता जाएगा, आय भी खूब बढ़ेंगी।

न दबें परफेक्शन के बोझ से

राम को उसकी कंपनी में एक बड़े प्रोजेक्ट का इंचार्ज बनाया गया था, तब से ही उसके साथी उससे कॉम्पिटिशन करने लगे थे। इस बढ़ते कॅम्पिटिशन में राम अपने काम पर ज्यादा ध्यान देने लगा। वह हर कार्य को बारीकी से दो-तीन बार देखता। शुरुआत में तो सब ठीक चलता रहा, लेकिन धीरे-धीरे वह एक खास तरह के दबाव का शिकार बनने लगा।

एक काम को कई बार देखना। मन में यह आशंका बनी रहना कि कहीं कोई कमी तो नहीं रह गई। इस दबाव के कारण वह अपना प्रेजेंटेशन समय पर नहीं बना पाया। प्रोजेक्ट पेश करते समय सब गड़बड़ हो गया। उसने जो प्रोजेक्ट तैयार किया था, उसे भी ठीक तरह से पेश नहीं कर सका।

ऐसी? स्थितियां जॉब के दौरान अक्सर बनती हैं। जो कार्य के दौरान अपने ऊपर काम का भारी दबाव बना लेते हैं, अक्सर उनके साथ ऐसा होता है। वे सहज रहकर अपना कार्य नहीं कर पाते। असल ऐसा नाकामयाबी के डर के कारण होता है। जब किसी काम करने को आगे बढ़ते हैं तो अपने ऊपर ही भरोसा नहीं होता।

हम उस कार्य में पूर्णता चाहते हैं। हमारे मन में यह रहता कि हम जो भी काम करें उसमें सब बेहतर होना चाहिए। किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। यह परफेक्टोहॉलिक सिंड्रोम कहलाता है। यही सिंड्रोम हमारे मन में टहलता रहता है। उसकी वजह हम अपने काम जरा सी गलती बर्दाश्त नहीं कर पाते। यह एक बीमारी की तरह हमें जकड़ लेता है।

इससे हमें अपने काम पर भरोसा कम होने लगता है। स्पोर्ट?स में भी ऐसा होता है। खिलाड़ी प्रैक्टिस में तो कई ?कीर्तिमान बनाते हैं, लेकिन जब असल मैच में उन्हें फिसड्डी साबित होते हैं। ऐसी स्थिति बचने के लिए जरूरी है कि परफेक्शन के बोझ के नीचे दबे नहीं। इससे आपको कार्य बोझ नहीं लगेगा। आपका हर कार्य बेहतर हो यह जरूरी नहीं।

साउंड इंजीनियर बनकर संवारें कॅरियर

साउंड इंजीनियर बनकर आप टीवी व फिल्मों के अलावा, एडवर्टाइजिंग, ब्रॉडकॉस्टिंग, मल्टीमीडिया व एनिमेशन इंडस्ट्री आदि में भी काम पा सकते हैं। यहां तक कि एक बार एक्सपीरियंस होने के बाद आप अपना रिकार्डिंग स्टूडियो भी खोल कर लाखों की कमाई कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी है बस अपनी कौशल को बढ़ाते रहने की।

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के अलावा क्षेत्रीय फिल्मों और सीरियलों में आई तेजी के कारण साउंड इंजीनियर की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। साउंड इंजीनियर आवाज को खूबसूरत बनाता है और गीत के ठहराव और गति को नियंत्रित करता है। साउंड इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल उपकरणों का उपयोग होता है। जिनके माध्यम से रिकॉर्डिंग,मिक्सिंग और किसी भी आवाज की फिर से रिकार्डिंग कर सकते हैं। एक साउंड इंजीनियर साउंड को रिकॉर्ड करने के लिए कई तरह के उपकरणों का उपयोग करता है।

इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड,जिसमें कई तरह के बटन,डायल्स,लाइट्स और मीटर्स शामिल होते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग के महत्वपूर्ण भाग हैं। आप अपने अंदर जुनून और कुछ कर दिखाने का जज्बा रखते हैं,तो इस क्षेत्र में आपके लिए काफी अवसर हैं। साउंड इंजीनियर अपना कार्य दो स्तरों पर करता है- प्रॉडक्शन स्तर पर और दूसरा पोस्ट प्रॉडक्शन स्तर पर। प्रॉडक्शन लेवल पर साउंड इंजीनियर का कार्य मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के द्वारा तरह-तरह की आवाजें बनाना तथा उन्हें रिकॉर्ड करना होता है। पोस्ट प्रॉडक्शन लेवल पर उन्हें एडिट व मिक्स करके एक नई साउंड में बदल दिया जाता है।

इससे जुड़े कुछ कोर्स - साउंड रिकॉर्डिंग से जुड़े किसी भी कोर्स का समय तकरीबन 6 महीने से 3 वर्ष के बीच होता है। साउंड इंजीनियरिंग कोर्स के तहत साउंड रिकॉर्डिंग,एडिटिंग व मिक्सिंग की जानकारी दी जाती है। रिकॉर्डिंग टूल जैसे,मशीन,स्पीकर,एम्लीफायर्स,सिंगल प्रोसेसर और माइक्रोफोन आदि का इस्तेमाल सिखाया जाता है। ऑडियो राइटिंग,साउंड स्पेशल इफेक्ट्स आदि के बारे में भी पढ़ाया जाता है।

जरूरी हैं ये योग्यताएं

इस फील्ड को कॅरियर के तौर पर अपनाने के लि? आपको म्यूजिक व साउंड के प्रति गहरी रूचि रखना जरूरी है। यह फील्ड क्रिएटिविटी औ? टेक्नालॉजी का मिक्सचर है। इसलिए इस में कॅरियर बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक व मैके?निकल म्यूजिकल उपकरणों की समझ बेहद जरू?री है। अच्छी कम्यूनिकेशन स्कि?ल्स,पेशंस,एकाग्रता और टीम में काम करने की योग्यता होना भी जरूरी है।

विदे?श में भी नौकरियां साउंड रिकॉर्डिंग का कोर्स करने के बाद विदेशों में भी रिकॉर्डिंग इंजी?नियरिंग,मस्टरिंग इंजीनियरिंग,मिक्स इंजी?नियरिंग और ऑडियो रिकॉर्डिंग इंस्टक्ट्रर का काम पा सकते हैं। ऑडियो एंड विडियो कं?नीज में साउंड रिकॉर्डिंग का जॉब भी कर

सुंदर व्यक्तित्व की पहचान वाणी में मिठास

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसके बातचीत करने के ढंग से होती है। भले ही कोई व्यक्ति कितना ही सुंदर हो, परंतु वाणी में कर्कशता या रुखापन हो तो वह कभी किसी को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता।

इसके विपरीत सामान्य-सा दिखने वाला व्यक्ति यदि सौम्य है और उसकी वाणी में मिठास है तो वह सहज ही सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेगा। उचित-अनुचित का ज्ञान रखकर बोलने से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है। इसलिए आवश्यक है। तोल-मोल के बोलना कुछ इस तरह-

अपनी आवाज पर ध्यान दें, बहुत ऊंचे स्वर में चिल्ला-चिल्लाकर न बोलें। बोलते समय विषय का पर्याप्त ज्ञान हो इसका ध्यान रखें। बिना सोचे-समझे कभी न बोलें। बोलते समय अवसर व स्थान का विशेष ध्यान रखें। बाजार, अस्पताल आदि में धीरे बोलें। दो लोगों के बीच कभी न बोलें। न ही बिन मांगे अपनी सलाह दें। दूसरों की बात ध्यान से सुनें, तभी बोलें। साथ ही उनकी रुचि का ध्यान रखकर बोलें। बोलते समय बेवजह न हाथ नचाएं, न आंखें मटकाए न दूसरों को छुए या हाथ मारें। कुछ खाते हुए कभी न बोलें।

बोलते समय थूक के छींटें दूसरों पर न उड़ाएं। किसी दूर खड़े व्यक्ति से दूर से ही चिल्लाकर बात करने की कोशिश न करें, पास जाकर बोलें। बच्चों के स्कूल में उनकी अध्यापिकाओं आदि से शिष्टाचार से बोलें। अपने उच्चाधिकारी होने का मान करते हुए अपने मातहतों को तुच्छ न समझें। बच्चों के सामने उनके टीचर्स व रिश्तेदारों के लिए अपशब्द न कहें। अपने पद की गरिमा बनाए रखें एवं ऐसी स्थिति से बचें कि आपसे छोटा व्यक्ति आपको जवाब दे जाए।

सेवक या किसी भी बाहरी व्यक्ति से अपने घर की बातें न करें, न ही उनके सामने बहस व गाली-गलौज करें। अपनी गलत बात को सही सिद्ध करने के लिए बहस न करें। न ही चिल्ला-चिल्लाकर उसे सही सिद्ध करने की कोशिश करें। अपने से बड़ों के लिए अपशब्द उनकी पीठ पीछे भी न कहें। किसी के मुंह से निकली बात का मजाक अन्य लोगों के सामने न उड़ाएं। न ही भरी महफिल में किसी को शर्मिंदा करें।

एक-दूसरे की बात इधर से उधर न करें। एक कान से सुनें, दूसरे से निकाल दें। इन छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर आप अपने व्यक्तित्व को आकर्षक बना सकते हैं।

सफलता पाने के लिए अपनाइए ये बातें

जीवन में कभी भी थोड़ा पाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए, इससे विकास के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। सफलता पाने के लिए नीचे लिखी बातें अपनाइए और फिर देखिए कि आपको सफलता कैसे नहीं मिलती।

आपका व्यक्तित्व- अगर आप चाहते हैं कि आप कम्पनी में ऊंचे पद पर पहुंचें तो उसके के लिए खुद ही प्रयास करने होंगे। खुद का व्यक्तित्व स्वयं ही सुधारें। व्यवहारिक बनें, लोगों से सम्पर्क बनाएं, अंतर्मुखी न बनें। आपको शांत, व्यवस्थित और आत्मविश्वासी होना चाहिए क्योंकि कोई भी ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहेगा, जो बुझा-बुझा सा और निरुत्साहित हो।

अपनी भाषा पर नियंत्रण रखें- भाषा में अशुद्धता और गलत जगह गलत शब्दों का प्रयोग आपके लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि आपके सहयोगी आपके अनुभवों को दरकिनार कर दें और आपके अल्प ज्ञान की खिल्ली उड़ाएं। ऐसा कोई शब्कोश नहीं कि जिसे देखकर आप अपना ज्ञान बढ़ा सकें। ऐसा देखा जाता है कि जिन लोगों के पास बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होती है, उनकी स्थिति कम्पनी में काफी सुदृढ़ होती है।

आपके काम में स्वाभाविकता होनी चाहिए- आपके सुझाव बिल्कुल नए और स्वाभाविक होने चाहिए। यह किसी की देखा-देखी पर आधारित नहीं होना चाहिए। किसी भी समस्या पर जब आप सुझाव दें उसके हर आयाम पर आपके विचार स्पष्ट होने चाहिए। आपके पास जो संसाधन हैं उसका भरपूर उपयोग करें।

सावधानी से संभालें अपनी जिम्मेदारियां- मैनेजर के पद पर बैठे व्यक्ति से यह उम्मीद की जाती है कि उसमें पीपुल मैनेजमेंट के गुण होने चाहिए। वक्त से कभी भी समझौता न करें। हर काम अपने समय पर पूरा करवाएं। अगर जरूरत पड़े तो सख्ती भी बरतें। लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि आपकी सख्ती का प्रभाव उनके काम पर तो नहीं पड़ रहा।

अच्छे काम पर शाबाशी देना न भूलें- काम करने के दौरान समूह की भावना को प्राथमिकता दें। क्योंकि कहा जाता है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता। चीजों को वस्तुनिष्ठ होकर देखें। जिस भी व्यक्ति ने बेहतर काम किया है उसके काम की तारीफ करना न भूलें। अपनी टीम को साथ लेकर चलने का प्रयास करें। विचारों का आदान-प्रदान करते रहें।

कहते हैं कि सफलता उम्र की मोहताज नहीं होती, क्योंकि ऐसे लोगों की एक लम्बी सूची है, जिन्होंने कम उम्र में ही सफलता का स्वाद चख लिया है। बहुत से लोगों का ऐसा मानना है कि जीवन में पाने को बहुत कुछ है।

सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग और साइबर धोखाधडी से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रे.सं.शिलचर, २३ जुलाई: डिजिटल साक्षरता दिवस के अवसर पर गुरुचरण विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग और पंजाब नेशनल बैंक के सर्किल कार्यालय शाखा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विश्वविद्यालय के सभागार में 'सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग व्यवहार एवं साइबर धोखाधडी की रोकथाम' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के चीफ मैनेजर सुव्रत पाठक, वरिष्ठ प्रबंधक विप्रजीत दत्त और मुकेश कुमार, गुरुचरण विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश्वर बर्मन तथा विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक जयदीप भट्टाचार्य सहित बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक शुभव्रत पाठक, मौपी देव पुरकायस्थ, सुतपा पुरकायस्थ, ज्योतिर्मय पाठक और ज्योतिर्मय शर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक, प्राध्यापिकाएं और बडी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम का स्वागत भाषण वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश्वर बर्मन ने दिया। इसके बाद मुकेश कुमार (चीफ मैनेजर, आईटी), ज्योतिर्मय पाठक और ज्योतिर्मय शर्मा ने संयुक्त रूप से पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से डिजिटल और वित्तीय धोखाधडी के विभिन्न स्वरूपों तथा उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।वक्ताओं ने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि विभिन्न प्रकार की साइबर धोखाधडी किस प्रकार की जाती है और डिजिटल बैंकिंग का उपयोग करते समय उपभोक्ताओं को किन सावधानियों का पालन करना चाहिए। उन्होंने सुरक्षित डिजिटल लेनदेन, साइबर अपराधों से बचाव तथा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के प्रभावी और सुरक्षित उपयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग व्यवहार, साइबर धोखाधडी की रोकथाम और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के जिम्मेदार उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करना था। चर्चा के बाद छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया।अंत में वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक जयदीप भट्टाचार्य के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

APAAR ID और सुप्रीम कोर्ट का आदेश, हर छात्र और माता-पिता के लिए है जानना जरूरी

नई दिल्ली (एजें) २३ जुलाई : : छात्रों के लिए शुरू की गई Automated Permanent Academic Account Registry, जिसे संक्षेप में APAAR ID योजना से जानते हैं, एक बार फिर कानूनी बहस के केंद्र में है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर हाल की सुनवाई में साफ किया कि यदि सरकार इस योजना को स्वैच्छिक बताती है तो अभिभावकों को इसे स्वीकार या अस्वीकार करने का वास्तविक विकल्प भी मिलना चाहिए। इस पूरी बहस में जो सबसे बडी बात है कि देश में इससे शिक्षा के डिजिटलीकरण होने पर छात्रों के निजता अधिकार की रक्षा कैसे हो ?दरअसल, यह शिक्षा मंत्रालय की एक नई पहल है। जिसके जरिए शिक्षा मंत्रालय की कोशिश है कि 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी'का नियम बने। इसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र को एक स्थायी डिजिटल शैक्षणिक पहचान देना है। इस ID के माध्यम से छात्र की मार्कशीट, प्रमाणपत्र, उपलब्धियां और अन्य शैक्षणिक रिकॉर्ड एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रखे जाते हैं।सरकार का कहना है कि इससे छात्रों के दस्तावेजों का सत्यापन आसान होगा और संस्थानों के बीच रिकॉर्ड स्थानांतरण में सुविधा मिलेगी। यह रिकॉर्ड स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक उपयोग में लाया जा सकता है।

यह व्यवस्था ऊळसळडेलज्ञशी जैसी डिजिटल प्रणालियों से भी जुडती है। सरकार इसे शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानती है। इस मामले की शुरूआत तब हुई जब कुछ अभिभावकों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दावा किया कि व्यवहार में APAAR ID को अनिवार्य बनाया जा रहा है, जबकि सरकार इसे स्वैच्छिक योजना बताती है।याचिकाकर्ताओं का कहना है कि अझअअठ, आधार से जुडा होने के कारण बच्चों की निजता के अधिकार पर असर डाल सकता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि योजना किसी विशेष कानून के बजाय प्रशासनिक निर्देशों के माध्यम से लागू की जा रही है। अदालत में यह मुद्दा भी उठा कि यदि कोई अभिभावक सहमति न दे तो बच्चे की शिक्षा या परीक्षा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पडना चाहिए। सुनवाई के दौरान डेटा संरक्षण, व्यक्तिगत जानकारी के संग्रहण और प्रसंस्करण को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठाए गए।

इस विषय से जुडे.ओडिशा हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यदि अझअअठ योजना वास्तव में स्वैच्छिक है तो सहमति फॉर्म में अभिभावकों को स्पष्ट रूप से सहमति न देने या ऑप्ट-आउट का विकल्प भी उपलब्ध होना चाहिए।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि किसी छात्र को अझअअठ खऊन बनवाने के कारण शिक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना भी शामिल थे, अपार आईडी योजना की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।तथ्यों पर ध्यान देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हालिया सुनवाई में संकेत दिया कि इन दिशा-निर्देशों को देशभर में लागू करने के लिए उइडए को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। अदालत ने उइडए से ओडिशा हाईकोर्ट के निर्देशों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने और डेटा सुरक्षा से जुडे.मुद्दों पर विचार करने को कहा है।शीर्ष अदालत ने मामले में कहा कि हम उइडए को कहेंगे कि वह ओडिशा हाईकोर्ट के फैसले को पूरे देश में लागू करे। क्योंकि सरकार ने उस आदेश का विरोध नहीं किया, इसका मतलब वह स्वीकार किया जा चुका है। साथ ही हम उइडए को डेटा सुरक्षा से जुडे.अन्य मुद्दों की भी जांच करने का निर्देश देंगे।देश भर के छात्रों और उनके अभिभावकों में जो डेटा सुरक्षा से जुडे.अन्य मुद्दों की चिंता थी वह जायज थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के उइडए को डेटा सुरक्षा से जुडे.अन्य मुद्दों की भी जांच करने का निर्देश देने की बात कहने के बाद यह चिंता जरूर कम होगी। एक बात और भी हो सकती है, कि इसके बाद उइडए को अपने सहमति फॉर्म और प्रक्रियाओं की समीक्षा करनी पड. सकती है। यदि संशोधित व्यवस्था लागू होती है तो अभिभावकों को स्पष्ट विकल्प मिलेगा कि वे योजना में शामिल होना चाहते हैं या नहीं।

शाइन एजेंसी के तीन विद्यार्थी नई दिल्ली में मिस्टर एंड मिस इंडिया २०२६ के ग्रैंड फिनाले में करेंगे असम का प्रतिनिधित्व

प्रे.सं.शिलचर, २३ जुलाई। बराक घाटी की प्रमुख मॉडलिंग एवं ग्रूमिंग संस्था शाइन एजेंसी ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। संस्था के तीन विद्यार्थी नई दिल्ली में आयोजित होने वाले मिस्टर एंड मिस इंडिया २०२६ ग्रैंड फिनाले में असम का प्रतिनिधित्व करेंगे।स्पार्क इवेंट मैनेजमेंट की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले २६ जुलाई को नई दिल्ली में होगा। देश के विभिन्न हिस्सों से चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। विजेताओं के लिए एक लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है।शाइन एजेंसी की ओर से असम का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों में एस. वांगाम्बा लुओवांग (मिस्टर असम विजेता), परवाज लस्कर (मिस्टर असम ब्रांड एंबेसडर) और मेघातदिता देवनाथ (मिस टीन असम विजेता) शामिल हैं।तीनों प्रतिभागियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन शाइन एजेंसी के साथ-साथ बराक घाटी और पूरे असम के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। संस्था के निदेशक, प्रोफेशनल मेंटर एवं कोरियोग्राफर अमरराज आचार्य के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को रैंप वॉक, व्यक्तित्व विकास, मंच प्रस्तुति, आत्मविश्वास निर्माण और प्रोफेशनल ग्रूमिंग का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।अमरराज आचार्य ने कहा कि यह शाइन एजेंसी, बराक घाटी और पूरे असम के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि तीनों प्रतिभागी राष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए असम का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए स्पार्क इवेंट मैनेजमेंट के प्रति आभार भी व्यक्त किया।नई दिल्ली में होने वाले ग्रैंड फिनाले को लेकर शाइन एजेंसी परिवार और बराक घाटी के लोगों में उत्साह है। क्षेत्रवासियों ने तीनों प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई है कि वे राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर असम का गौरव बढाएंगे।

मानसून के दौरान सुरक्षा को देखते हुए कछार प्रशासन ने संवेदनशील तटबंधों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर लगाई रोक

तटबंधों को क्षति, बाढ.के खतरे को देखते हुए तत्काल प्रभाव से आदेश जारी

प्रे.सं. शिलचर, २३ जुलाई। कछार जिला प्रशासन ने मानसून के दौरान संवेदनशील तटबंधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संभावित बाढ.के खतरे को कम करने के उद्देश्य से कछार जल संसाधन प्रभाग के अंतर्गत चिन्हित संवेदनशील तटबंधों पर भारी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।यह आदेश जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा कछार जल संसाधन प्रभाग के कार्यकारी अभियंता की रिपोर्ट के आधार पर जारी किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कई संवेदनशील तटबंधों पर भारी व्यावसायिक एवं निजी वाहनों की लगातार आवाजाही से तटबंधों पर अत्यधिक संरचनात्मक दबाव पड.रहा है। इससे उनकी स्थिति कमजोर होती जा रही है और भविष्य में तटबंध टूटने की आशंका बढ.सकती है, जिससे बाढ, आवश्यक सेवाओं में बाधा, सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों को नुकसान तथा जनसुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

आपदा प्रबंधन अधिनियम, २००५ की धारा ३४(ख) के तहत जिला प्रशासन ने आधिकारिक अधिसूचना में सूचीबद्ध संवेदनशील तटबंधों पर सभी भारी व्यावसायिक वाहनों, ओवरलोड वाहनों, बालू से लदे ट्रकों, मिट्टी से भरे डंपरों तथा अन्य भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि लगातार वर्षा और मानसून के दौरान बढते जलस्तर के कारण तटबंध पहले से ही संवेदनशील स्थिति में हैं। ऐसे में उन पर भारी वाहनों की आवाजाही रोकना एहतियाती कदम है, जिससे तटबंधों पर अतिरिक्त दबाव कम किया जा सके। प्रशासन ने सभी परिवहन संचालकों एवं वाहन मालिकों से जनहित और आपदा की रोकथाम के लिए पूर्ण सहयोग की अपील की है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम, २००५ तथा अन्य लागू कानूनों के प्रावधानों के तहत कडी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों और परिवहन संचालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि संवेदनशील तटबंधों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक बाढ.नियंत्रण संबंधी महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा तथा मानसून के दौरान लोगों की जान-माल की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक एहतियाती कदम है।यह जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बराक घाटी क्षेत्रीय कार्यालय, शिलचर (असम) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

कछार में ८०वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की भव्य तैयारियाँ, मुख्य कार्यक्रम डीएसए मैदान में होगा

प्रे.सं. शिलचर, २३ जुलाई। कछार जिला प्रशासन ने ८०वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। समारोह को भव्य, गरिमामय और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया गया है, जिसमें औपचारिक समारोह, सुरक्षा व्यवस्था, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ तथा जनकल्याण संबंधी विभिन्न गतिविधियाँ शामिल हैं।तैयारी बैठक की अध्यक्षता कछार के जिला आयुक्त राहुल कुमार गुप्ता (आईएएस) ने मंगलवार को जिला आयुक्त कार्यालय के नए सम्मेलन कक्ष में की। बैठक में जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, विभिन्न सरकारी विभागों के प्रमुखों, सशस्त्र बलों के प्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यापारिक संगठनों, गैर-सरकारी संस्थाओं तथा अन्य संबंधित पक्षों ने भाग लिया।बैठक के प्रारंभ में जिला आयुक्त ने पिछले वर्ष के स्वतंत्रता दिवस समारोह की समीक्षा की तथा इस वर्ष के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने से पहले उपस्थित सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए। अतिरिक्त जिला आयुक्त ध्रुवज्योति पाठक (एसीएस) ने पिछले वर्ष के समारोह की कार्यवाही प्रस्तुत की, जिसके बाद राष्ट्रीय पर्व के सुचारु आयोजन के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन जिला खेल संघ (डीएसए) मैदान में किया जाएगा, जबकि परेड के अभ्यास के लिए पुलिस परेड मैदान का उपयोग होगा।

स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार प्रातः ५:३० बजे स्थायी लाउडस्पीकर नेटवर्क के माध्यम से देशभक्ति गीतों का प्रसारण किया जाएगा। नागरिकों से सुबह ७ बजे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आग्रह किया गया है। सभी सरकारी कार्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में सुबह ७:३० बजे ध्वजारोहण होगा

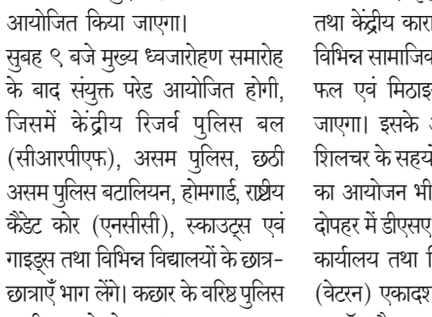

सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।परेड में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए अभ्यास अवधि के दौरान अल्पाहार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ व्यापारिक संगठनों, बैंकों तथा स्थानीय संस्थाओं का सहयोग लिया जाएगा। अभ्यास और स्वतंत्रता दिवस के दिन चिकित्सा दल, एम्बुलेंस, पेयजल तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएँ भी उपलब्ध रहेंगी।अस्पतालों के मरीजों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, नशामुक्ति केंद्रों तथा केंद्रीय कारागार के बंदियों के बीच विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से फल एवं मिठाइयों का वितरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रोटरी क्लब, शिलचर के सहयोग से सामुदायिक भोज का आयोजन भी किया जाएगा।

दोपहर में डीएसए मैदान में जिला आयुक्त कार्यालय तथा जिला बार एसोसिएशन (वेटरन) एकादश के बीच एक प्रदर्शनी फुटबॉल मैच आयोजित किया जाएगा। दिन का समापन राष्ट्रीय ध्वज के औपचारिक अवतरण तथा शिलचर के सरकारी भवनों, प्रमुख सार्वजनिक संस्थानों, प्रतिमाओं और प्रमुख यातायात द्वीपों की आकर्षक रोशनी के साथ होगा।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि डीएसए मैदान में जिले के विभिन्न जातीय समुदायों की भागीदारी से ३० मिनट का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्थानीय योग एवं शारीरिक संस्कृति संगठनों द्वारा विशेष प्रदर्शन भी किए जाएँगे।दूरदर्शन केंद्र तथा आकाशवाणी, शिलचर से समारोह के प्रसारण का अनुरोध किया गया है। वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा जनसंचार माध्यमों के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही भारतीय ध्वज संहिता के अनुरूप राष्ट्रीय ध्वज के सही उपयोग एवं प्रदर्शन के संबंध में जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।कछार जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सभी प्रखंड विकास अधिकारियों, राजस्व अंचल अधिकारियों तथा सह-जिला प्रशासन को अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस के उपयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सके।बैठक के समापन पर जिला आयुक्त राहुल कुमार गुप्ता ने सभी विभागों एवं सहयोगी संगठनों से आपसी समन्वय के साथ समय पर अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी करने का आह्वान किया, ताकि कछार में ८०वाँ स्वतंत्रता दिवस गरिमापूर्ण, सुव्यवस्थित और सर्वसमावेशी ढंग से मनाया जा सके।बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त श्रीमती जागृति कलवार (एसीएस), श्री मनोज्योति कुटुम (एसीएस) सहित कछार जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।यह जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बराक घाटी क्षेत्रीय कार्यालय, शिलचर (असम) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

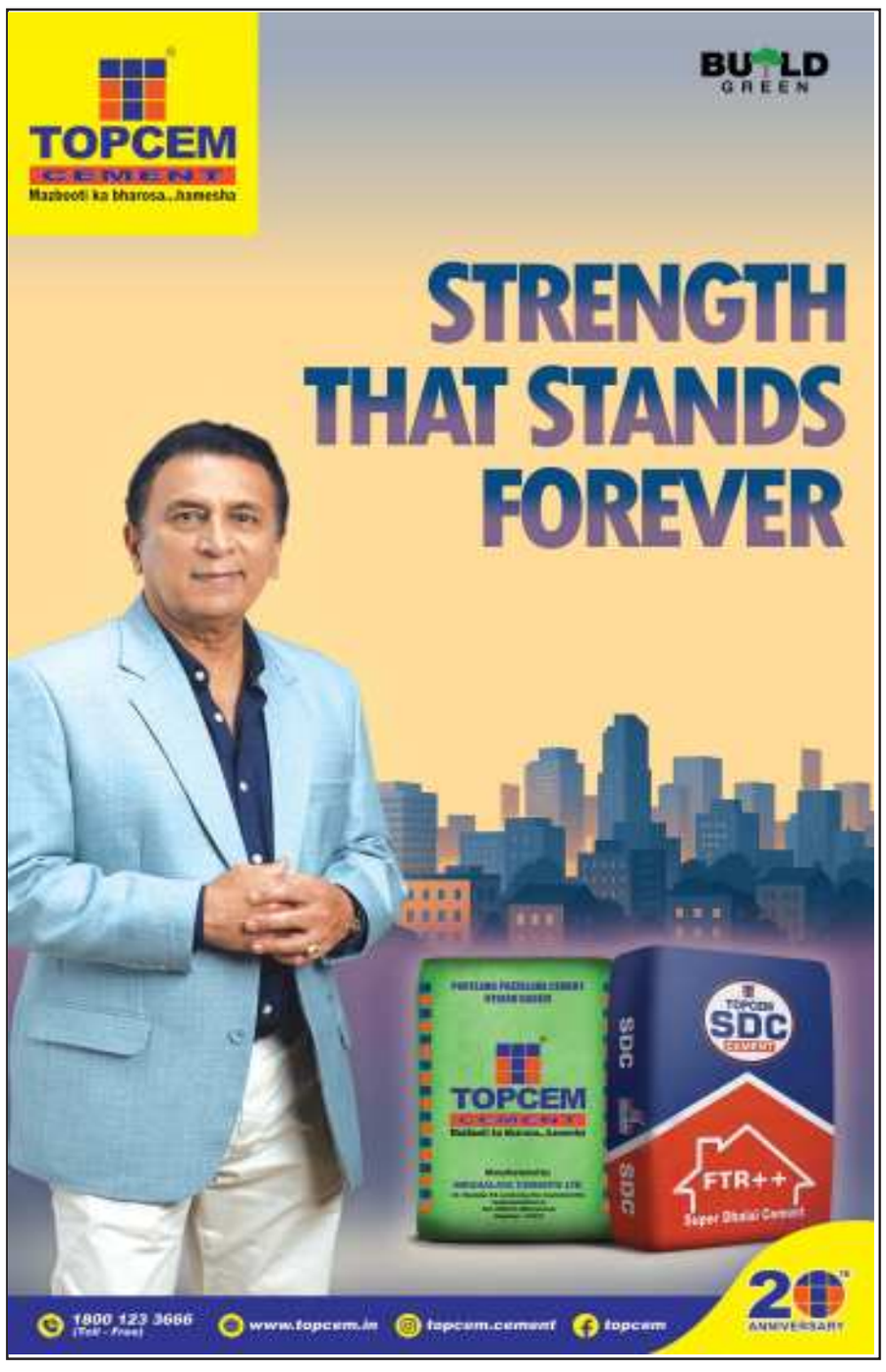

लखीपुर नगर पालिका और ठेकेदार की लापरवाही से युवक गंभीर रूप से घायल, खुले सरिए वाले नाले में गिरने से हाथ पर लगे आठ टांके

चंद्रशेखर ग्वाला लखीपुर। २३ जुलाई । लखीपुर नगर पालिका और कार्यरत ठेकेदार की कथित लापरवाही के कारण शहर के वार्ड संख्या-७ स्थित अमूल्य लेन में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। निर्माणाधीन आरसीसी नाले के ऊपर निकले लोहे के सरियों से गुजरने के दौरान युवक का पैर फिसल गया। खुद को बचाने के प्रयास में उसने पास लगी टिन की बाड.पकड.ली, जिससे उसका हाथ बुरी तरह कट गया और मांस बाहर लटक गया। घायल युवक के हाथ में आठ टांके लगाने पडे, जबकि उसके शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं।घायल युवक की पहचान झुनू राय के पुत्र विक्रम राय (राज) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना उस समय हुई, जब वह खुले सरियों वाले निर्माणाधीन नाले को पार कर रहा था। संतुलन बिगड्ने पर वह गिर पड्ा और गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। आसपास के लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसके हाथ में आठ टांके लगाए।बताया गया कि विक्रम के पिता एक कपडे.की दुकान में कर्मचारी हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के इस युवक के उपचार पर तत्काल लगभग दो हजार रुपये खर्च हो गए।स्थानीय लोगों का आरोप है कि अमूल्य लेन में लगभग ४ लाख ५६ हजार ९१८ रुपये की लागत से संकीर्ण आरसीसी नाले का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन नाले का निर्माण सड्क के केवल आधे हिस्से तक ही सीमित है। सड्क के पूर्वी हिस्से की जमीन पर कथित अतिक्रमण होने के कारण नगर पालिका अब तक भूमि खाली नहीं करा सकी है। आरोप है कि ठेकेदार ने नाले के एक तरफ मिट्टी भरकर काम अधूरा छोड.दिया है, जिससे राहगीरों के लिए खतरा लगातार बना हुआ है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर पालिका अतिक्रमण हटाने में पूरी तरह विफल रही है, जबकि निर्माण कार्य भी अधूरा छोड.दिया गया है। इसी लापरवाही का खामियाजा अब एक गरीब परिवार के इकलौते बेटे को गंभीर रूप से घायल होकर भुगतना पड्ा।घटना की जानकारी मिलने पर वार्ड पार्षद अजंता देव घायल युवक की तस्वीर लेकर मौके पर पहुंची, लेकिन परिजनों का आरोप है कि उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक या अन्य सहायता नहीं मिली।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद भी नगर पालिका अथवा संबंधित ठेकेदार की ओर से कोई हालचाल लेने नहीं आया। अधूरे निर्माण कार्य के कारण गली के लोगों को रोजाना जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड.रहा है। उनका कहना है कि यह रास्ता ही अब आने-जाने का एकमात्र मार्ग है। दूसरी ओर, वन विभाग की भूमि से होकर गुजरने वाले वैकल्पिक रास्ते पर सांपों का खतरा बना रहने से लोग वहां से भी आने-जाने से डरते हैं।क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई कि यदि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा नहीं कराया गया और सुरक्षा के उचित इंतजाम नहीं किए गए, तो भविष्य में फिर कोई बड्ा हादसा हो सकता है। लोगों ने इस पूरे मामले में राज्य के मंत्री कौशिक राय से हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512